डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक संस्थापकः- श्री महेन्द्र अरोरा

वर्ष-12 अंक-28 | प्रयागराज, रविवार 09 जुलाई 2023 से शनिवार 15 जुलाई 2023 तक | पृष्ठ- 8 | मूल्य: 3 रूपये

सिनेमा : कंगना रनोट तेजस को पहली भारतीय एरियल एक्शन

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी यूपी को देंगे नई सौगात तो रूसी विमान ने फिर रोका अमेरिकी ड्रोन का रास्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)

वॉशिंगटन। भारत और अमेरिका के लिए गुरुवार का दिन कई सारे घटनाक्रमों का साक्षी बना जिसमें महंगाई की मार से लेकर संघर्षों के दरमियां बच्चों के मानवाधिकार उल्लंघन तक का उल्लेख है। दोनों देशों पर पूरी दुनिया की नजर रहती है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश को नई सौगातें देने वाले हैं। इसी के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव की चर्चा तेज हो गई। असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नुमल मोमिन ने तो यहां तक दावा कर दिया कि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को लोकसभा चुनाव में 400 से ज्यादा सीटें मिलेगी वहीं, अमेरिका की बात की जाए तो रूस के साथ लगातार तनातनी बढ़ती जा रही है। सीरिया में पिछले 24 घंटे के भीतर रूसी लड़ाकू विमानों ने दूसरी बार अमेरिकी ड्रोन को परेशान किया और उसका रास्ता रोका। इसके अलावा टाइटैनिक की सैर कराने वाली कंपनी ओशियनगेट ने काम बंद कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तर प्रदेश के दो दिवसीय दौरे के पहले चरण में शुक्रवार को गोरखपुर पहुंचेंगे। यहां गीताप्रेस के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में शामिल होंगे। उपस्थित गण्यमान्य को संबोधित भी करेंगे। गोरखपुर से लखनऊ के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे और रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और कुछ अन्य परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

केमिकल-वेपन फ्री देश बनने की कतार में अमेरिका, रासायनिक हथियारों के जत्थे को नष्ट क्यों कर रहा सुपर पावर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अमेरिकी सेना ने देश के रासायनिक हथियारों के सबसे बड़े भंडार को नष्ट करना शुरू कर दिया है और आज वो देश केमिकल हथियारों से मुक्त देश हो जाएगा। इन केमिकल हथियारों को नष्ट करना कोई आसान बात नहीं है। अमेरिकी सेना ने अपने रासायनिक हथियारों के आखिरी जत्थे को नष्ट करना शुरू कर दिया है। आज देश पूरी तरह से केमिकल-वेपन फ्री देश बन जाएगा। भारत ने भी एक समझौते के तहत अपने केमिकल हथियारों को नष्ट कर दिया है। डिफेंस डिपार्टमेंट को हथियार नष्ट करने में 3 लाख करोड़ रुपये का खर्च आया है जो अनुमानित बजट से 29000 प्रतिशत ज्यादा है।इन हथियारों को नष्ट करने के लिए काफी योजना और बजट की जरूरत पड़ी है। इन हथियारों को विनाश करने के दौरान एक छोटी-सी चूक भारी विनाश का कारण बन सकती है। गौरतलब है कि अमेरिका दशकों बाद इन हथियारों को नष्ट करने में कामयाब होगा।हथियारों का विनाश रिचमंड, केंटुकी और प्यूब्लो, कोलोराडो के लिए एक बड़ा संकट है। अंतरराष्ट्रीय रासायनिक हथियार सम्मेलन के तहत अमेरिका को अपने बचे हुए रासायनिक हथियारों को खत्म करने के लिए 30 सितंबर तक का समय मांगा था गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय रासायनिक हथियार सम्मेलन की शुरुआत 1997 में हुई थी और अब तक इसमें 193 देश शामिल हुए। केंटुकी में नष्ट किए जा रहे केमिकल हथियारों में जीबी नर्व एजेंट वाले 51,000 एम55 रॉकेटों को भी नष्ट किया जा रहा है, जो 1940 के दशक से डिपो में संग्रहीत किए गए थे।प्यूब्लो साइट पर श्रमिकों ने पुराने हथियारों को सावधानीपूर्वक और धीरे-धीरे कन्वेयर सिस्टम पर लोड करने के लिए भारी मशीनरी का उपयोग किया जा रहा है। तीन लेयर के एक स्टेनलेस स्टील विस्फोट कक्ष में इस केमिकल हथियारों को नष्ट करने का काम हो रहा है। फिलहाल, अमेरिका ने केमिकल हथियारों को नष्ट करने के लिए रोबोटिक मशीन का इस्तेमाल किया है। इन केमिकल हथियारों को कई हिस्सों में खोलकर और फिर धोकर 1500 डिग्री फारेनहाइट पर जलाया गया है इन श्रमिकों की छोटी-सी भूल से इनकी देखने और सुनने की क्षमता पर असर पड़ सकता है। इसके साथ ही, त्वचा पर छाले और आंखों, नाक, गले तथा फेफड़ों में सूजन पैदा हो सकती है। डिफेंस डिपार्टमेंट को हथियार नष्ट करने में 3 लाख करोड़ रुपये का खर्च आया है, जो अनुमानित

बजट से 2900 प्रतिशत ज्यादा है।कोलोराडो और केंटुकी स्थल यूटा और जॉन्सटन एटोल सहित कई स्थानों में देश के रासायनिक हथियारों को संग्रहित किया गया था और नष्ट किया गया। अन्य स्थानों में अलबामा, अर्कांसस और ओरेगन भी शामिल हैं। अमेरिकी अधिकारी सचिव किंग्स्टन रीफ ने कहा कि आखिरी अमेरिकी केमिकल हथियार का विनाश सैन्य इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय खत्म कर देगा, लेकिन फिर भी हम इन्हें खत्म करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हुआ इस्तेमाल सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध सामग्री को नष्ट करके, अमेरिका आधिकारिक तौर पर यह संदेश देना चाह रहा है कि अब युद्ध में इस प्रकार के हथियार स्वीकार्य नहीं हैं।यह संदेश खासकर उन देशों को दिया जा रहा है, जो इस समझौते में शामिल नहीं हुए हैं। इस केमिकल हथियारों को पहली बार प्रथम विश्व युद्ध में इस्तेमाल किया गया था। उस दौरान इसके प्रकोप से लगभग एक लाख से अधिक लोग मारे गए थे।गौरतलब है कि मिस्र, उत्तर कोरिया और दक्षिण सूडान ने केमिकल हथियारों को नष्ट करने वाली संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। वहीं, इजराइल ने संधि पर हस्ताक्षर किया है, लेकिन अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी अधिकारी रीफ ने कहा कि इस बात की चिंता बनी हुई है कि सम्मेलन के कुछ दलों, जैसे रूस और सीरिया के पास अघोषित केमिकल हथियारों का भंडार है, फिर भी, हथियार नियंत्रण समर्थकों को उम्मीद है कि अमेरिका का यह अंतिम कदम शेष देशों को इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकता है।ऑर्गेनाइजेशन फॉर द प्रोहिबिशन ऑफ केमिकल वेपंस यानी ध्झें के मुताबिक, केमिकल हथियार, ऐसे हथियार होते हैं, जिनमें जानबूझकर ऐसे केमिकल डाले जाते हैं, जिसके इस्तेमाल से लोगों को मारा या फिर आसानी से नुकसान पहुंचाया जा सकता है। रासायनिक हथियार को केमिकल वेपन भी कहते हैं। दरअसल, यह केमिकल हथियार बहुत ही घातक होते हैं, इसके जरिए लाखों, करोड़ों लोगों को एक बार में मौत के घाट उतारा जा सकता है। इसके अलावा, यदि किसी को इन हथियारों से केवल लोगों को नुकसान पहुंचाना हो तो, यह भी काफी आसान हो जाता है। इस हथियार की मदद से हजारों और लाखों लोगों को एक साथ किसी भी गंभीर बीमारी का शिकार बनाया जा सकता है। यहां तक कि किसी भी सैन्य उपकरण में भी यदि केमिकल का इस्तेमाल किया जा रहा है, तो उसे केमिकल हथियाक की कैटेगरी में ही रखा जाता है। मूल रूप से रासायनिक हथियारों में विषैली गैस ऑक्सीम, लेविसिट, सल्फर मस्टर्ड, नाइट्रोजन मस्टर्ड, सरीन, विषैली गैस क्लोराइड, हाइड्रोजन, साइनाइड, फॉस्जीन, डाई फॉस्जीन आदि जैसे जहरीले गैसों को मिलाया जाता है।अमेरिका ने कई बार अपने केमिकल हथियारों को नष्ट करने की योजना बनाई। पहली बार में योजना बनाई गई थी कि इन हथियारों को एक पुराने जहाज के जरिए समुद्र में बहा दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं किया जा सका। दरअसल, लोगों ने इस योजना का काफी विरोध किया था, जिसके बाद योजना को रद्द करना पड़ा इसके बाद योजना बनाई गई थी कि इन केमिकल हथियारों को एक फरनेस में जला दिया जाएगा, लेकिन इस योजना को मंजूरी नहीं मिली थी, क्योंकि इसको जलाने के बाद जो धुंआ निकलता, वो विषैला और घातक होता।अमेरिका ने 1918 के बाद किसी भी युद्ध में घातक केमिकल हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन वियतनाम युद्ध के दौरान केमिकल हथियार एजेंट ऑरेंज का इस्तेमाल किया गया था, जो इंसानों के लिए सबसे घातक केमिकल हथियारों में से एक था। इस हथियार के इस्तेमाल के कारण उस समय लगभग हजारों लोग मारे गए थे। साल 1986 में अचानक अमेरिका के उटाह क्षेत्र में 5600 भेड़ रहस्यमयी तरीके से मृत पाई गई। इसको लेकर काफी जांच के बाद अमेरिकी कांग्रेस ने दबाव बनाना शुरू किया। इसके बाद सेना ने स्वीकार किया कि उन्होंने केमिकल हथियारों का परीक्षण किया है। दरअसल, यह जगह केमिकल परीक्षण क्षेत्र के बेहद पास था, जिसके कारण उसका असर इन मवेशियों पर हुआ था। भारत पहले ही नष्ट कर चुका अपना केमिकल हथियार जून 1997 में, भारत ने घोषित किया था कि इसके पास रासायनिक हथियारों यानी सल्फर मस्टर्ड का 1,045 टन है। 2006 के अंत तक भारत ने अपने रासायनिक हथियारों के सामग्री भंडार का 75 प्रतिशत से अधिक नष्ट कर दिया था और उम्मीद जताई थी कि थी वो तय किए गए समय सीमा के अंतर्गत ही अपने सभी केमिकल हथियारों को नष्ट कर देगा भारत ने मई 2009 में संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया है कि इसने अंतरराष्ट्रीय रासायनिक हथियार कन्वेंशन के अनुपालन में रासायनिक हथियारों के अपने पूरे भंडार को नष्ट कर दिया था। दक्षिण कोरिया और अल्बानिया के बाद भारत तीसरा देश बना, जिसने अपने केमिकल हथियारों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया था। हालांकि, भारत की पुष्टि के बाद संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षकों द्वारा इस पर क्रॉस-जांच भी की गई थी।नर्व एजेंट को दुनिया का सबसे घातक केमिकल हथियार माना जाता है। इसकी छोटी-सी डोज पल भर में किसी की भी जान ले सकती है।

कंगाल पाकिस्तान में भूख के मारे पुलिसवाले ही लगे लूटने

(आधुनिक समाचार सेवा)

कराची। पाकिस्तान में महंगाई इतनी बढ़ गई है कि अब रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। देश में बिक रहे महंगे खाद्य तेल के लिए अब पुलिसवाले ही लोगों से चोरी करने लगे हैं। ताजा मामला कराची का है। यहां कराची पुलिस ने एक पांच सदस्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया है, जो पुलिस वैन में खाना पकाने के तेल

का स्टॉक लूटता था।पुलिस ने मीडिया को बताया कि गार्डन मुख्यालय के पास छापेमारी के दौरान गिरोह ने 5 संदिग्धों की पहचान की थी। पकड़े गए लोगों में गोदाम का मालिक, एक कर्मचारी और एक पुलिसकर्मी शामिल हैं। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने आगे बताया कि पुलिस वैन में हथियारबंद लोग डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल में खाना पकाने के तेल का स्टॉक ले जाने वाले मालवाहक वाहनों को लूटते थे। एक महीने में हुई दर्जनों लूट की घटनाएं पुलिस ने यह भी कहा कि पिछले माह दर्जनों लूट की घटनाएं हुई थीं। डकैती के बाद आरोपी खाने का तेल गोदाम में छिपा देते थे। क्लिफ्टन डिवीजन पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में डिफेंस और क्लिफ्टन क्षेत्र में घरेलू हमलों की एक श्रृंखला के बाद एक सफल गुप्त ऑपरेशन में दो व्यक्तियों को पकड़ा। मोस्ट वांटेड हैं तीन आरोपी पुलिस के अनुसार, आरोपी अशरफ उर्फ अच्छो और आसिफ पर चोरों के एक गिरोह का नेतृत्व करने का आरोप है, जिन्होंने कराची के पॉश इलाके में कई डकैतियां कीं। क्लिफ्टन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अहमद चौधरी ने कहा कि अचो गिरोह के तीन लुटेरे कथित तौर पर पुलिस के लिए मोस्ट वांटेड हैं। पुलिस को ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में आभूषण और अन्य महंगी चीजें मिलीं, जिनकी कुल कीमत लाखों डॉलर थी। आरोपियों के पास से पुलिस ने चोरी में प्रयुक्त औजार भी बरामद किये हैं। क्लिफ्टन एसपी ने दावा किया कि गिरोह में तीन सदस्य शामिल थे और उनका एक साथी खुर्शीद पहले से ही इसी तरह के अपराधों में शामिल होने के कारण जेल में सजा काट रहा था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि गिरोह लगभग 16 वर्षों से डकैतियों में सक्रिय था, जिससे क्षेत्र के निवासियों को काफी नुकसान हुआ।

मिलान के रिटायरमेंट होम में लगी भीषण आग, 6 लोगों की दर्दनाक मौत; 80 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

रोम। मिलान में एक सेवानिवृत्ति गृह में आग लगने से छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इतालवी समाचार एजेंसियों ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी। एएनएसए समाचार एजेंसी ने कहा कि आग गुरुवार को स्थानीय समयानुसार लगभग 11.20 पर लगी। बताया जा रहा है कि फायर फाइटर्स घटनास्थल पर मौजूद थे। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने कहा है कि इस हादसे में 81 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। साथ ही, बताया जा रहा है कि इस हादसे में छह लोगों ने अपनी जान गंवा दी है।घटना के कारण मौके पर तुरंत अफरा-तफरी मच गई और हर तरफ चीख-पुकार मचने लगी। स्थानीय लोगों ने सेवानिवृत्ति गृह में फंसे लोगों को फंसाने की कोशिश की और पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। फिलहाल, इस घटना के कारणों का पता नहीं लग पाया है।

न्यूयॉर्क में दो बसों में भीषण टक्कर, 80 लोग हुए जख्मी

(आधुनिक समाचार सेवा)

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में भीषण सड़क हादसा देखने को मिला है। यहां दो बसों की टक्कर से

80 लोग घायल हो गए हैं, जिसमें से अठारह लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। जानकारी के अनुसार, डबल-डेकर टूर बस ने एक यात्री बस को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।बस की टक्कर इतनी तेज थी कि बसों के शीशे चकनाचूर हो गए। पुलिस अधिकरियों के अनुसार, मैनहट्टन में हुए हादसे के बाद बस में से घायलों को निकाला गया। डबल-डेकर टूर बस की सामने के शीशे पूरी तरह चकनाचूर हो गए। कई लोगों की टूटी हड्डियां, सिर में भी चोट न्यूयॉर्क अग्निशमन विभाग के अनुसार, दोनों बसें खचाखच भरी थीं। विभाग के जानकारी दी कि बस में से 63 अन्य लोगों को चिकित्सा कर्मचारियों द्वारा सुरक्षित निकाला गया है। अधिकांश चोटें कटने, खरोंच, आग से लगी थीं। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोगों की हड्डियों के टूटने और सिर और गर्दन पर चोट लगने का संदेह है।

प्रयागराज: डेढ़ महीने में तैयार हुई सड़क, पहली बारिश में ही बह गई करोड़ों की सड़क

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। गंगा नदी पर बने शास्त्री पुल की दक्षिणी लेन की सड़क पहली बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो गई। सड़क पर बड़े- बड़े गड्ढे हो गए हैं। बता दें कि शनिवार सुबह ही पुल की इस लेन पर हादसे में स्कूटी सवार दो छात्रों ने अपनी जान गंवा दी। शास्त्री पुल की डाउन लेन की 2100 मीटर की इस सड़क को तकरीबन आठ माह पहले अक्तूबर 2022 में करोड़ों की लागत से बनाया गया था। हालत यह है कि करोड़ों की लागत से बनाई गई सड़क पहली बरसात भी नहीं झेल पाई। पिछले दो दिनों की बारिश में डाउन लेन की सड़क पर एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। लोक निर्माण विभाग की ओर से सड़क बनाने से पहले उसकी छिलाई के लिए मिलिंग मशीन के बजाय जेसीबी लगाई गई थी। जगह-जगह पैचिंग को हैमर मशीन से निकालकर भरा गया था। सड़क की छिलाई के बाद प्योर मशीन, वाइब्रेट और कंपप्रेशर मशीन लगाकर डामर बिछाया गया था। अफसरों ने सड़क को एस्ट्रो टर्फ के मानक के मुताबिक बनाने का दावा किया था। इसके बावजूद पहली बारिश के बाद ही सड़क जवाब दे गई।

हंडिया-झूंसी मार्ग फोर लेन होने के बाद बनेगा कांवड़ पथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज से कांवड़ियों के लिए अलग पथ में अभी कई बाधाएं हैं। इसका प्रस्ताव तो शासन को भेजा जा चुका है लेकिन हंडिया से झूसी के बीच बन रहे फोन लेन सड़क के बनने तक इसके लिए इंतजार करना पड़ेगा। दो दिन बाद सावन शुरू होने जा रहा है। इसी के साथ कावड़ यात्रा के लिए वाराणसी मार्ग को एक तरफ से बंद कर दिया जाएगा। यानि, आना और जाना दोनों एक ही लेन से होगा। ऐसे में इस साल भी सावन के दौरान जाम की समस्या से लोगों को रूबरू होना पड़ेगा। मुश्किल यह कि मलमास की वजह से इस बार 59 दिन का सावन पड़ रहा है और इस दौरान एक लेन बंद रहेगी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए अलग कांवड़ पथ बनाने का निर्णय लिया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आदेश पर जनवरी में ही प्रस्ताव तैयार किया गया था। 3.73 मीटर चौड़े कांवड़ मार्ग के प्रस्ताव को उप मुख्यमंत्री की भी मंजूरी मिल चुकी है। लोक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता रमाशंकर यादव का कहना है प्रस्ताव शासन को भी भेज दिया गया है। अफसरों के अनुसार कावड़ पथ के लिए अलग से कोई जमीन नहीं ली जाएगी। सड़क के किनारे बने सर्विस लेन एवं फुटपाथ को ही कावर पथ में तब्दील किया जाएगा। चूंकि इंडिया से झुंसी के बीच फोर लेन सड़क बन रही है। इसमें सर्विस लेन का भी प्रावधान किया गया है।

रास्ते में आने वाले हनुमानगंज, सैदाबाद आदि बाजार में फुटपाथ का इस्तेमाल कांवड़ पथ के लिए किया जाएगा। अफसरों का कहना है कि झंसी से इंडिया के बीच फोर लेन बनने के बाद इसकी प्रक्रिया शुरू किए जाने की उम्मीद है। हालांकि, इसके लिए शासन के आदेश का इंतजार करना होगा। वहीं डीएम संजय कुमार खत्री का कहना है कि प्रस्ताव भेजा जा चुका है। अगले वर्ष सावन से पहले कांवड़ पथ का निर्माण कराने का लक्ष्य है। लोक निर्माण विभाग की ओर से कांवड़ पथ का प्रस्ताव तो तैयार कर लिया गया है लेकिन बजट को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसे महाकुंभ के का य में शामिल नहीं किया गया है। एक अफसर ने बताया कि माघ मेला या इसके लिए अगल से बजट स्वीकृत कराने की योजना है।

क्षत्रिय सोनार युवक समिति एवं महिला समाज 909 कल्याणी देवी स्वर्णकार धर्मशाला प्रयागराज में 3 दिसंबर को होगा सामूहिक विवाह समारोह

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। क्षत्रिय सोनार युवक समिति एवं महिला समाज के तत्वाधान में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी सामूहिक

विवाह समारोह का आयोजन 3 दिसंबर को किया जाएगा कार्यक्रम की तैयारियां पदाधिकारियों द्वारा शुरू कर दी गई हैं समिति के अध्यक्ष रोहित वर्मा ने बताया कि आयोजन सोनार समाज के सभी वर्ग के लोगों के विवाह योग्य युवक-युवतियों के विवाह संपन्न कराए जाएंगे वही कार्यक्रम में सामूहिक विवाह मुख्य संयोजक संजय वर्मा जी ने बताया कि किसी कमजोर असहाय परिवार की कन्या का विवाह कराने से बढ़कर कोई अन्य पुनीत कार्य नहीं है संजय वर्मा के द्वारा परिचय सम्मेलन की तिथि 6 अगस्त 17 सितंबर 8 अक्टूबर एवं 12 नवंबर को घोषित किया गया समिति के महामंत्री इंद्रेश नाथ वर्मा ने बताया कि सामूहिक विवाह मात्र एक विवाह का आयोजन भर नहीं है अपितु इसके प्रभाव व समाज हित में लाभ बड़े दूरगामी हैं, प्रशंसनीय बात यह है कि समिति सामूहिक विवाह जैसी सामाजिक पुण्य कार्य में अपनी सराहनीय भूमिका निभाती है एवं समाज का समय एवं दान दहेज व फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों से समाज को मुक्ति दिलाती है, इस अवसर पर वरिष्ठ संरक्षक अशोक कुमार वर्मा, इंजी.दीनानाथ वर्मा, राजनाथ वर्मा, कोषाध्यक्ष शिवम सोनी, रविंद्र वर्मा, अनूप वर्मा, अजीत सोनी, राजेश वर्मा, हरीश वर्मा, पप्पू जी, गोपाल जी स्वर्णकार, अवधेश नारायण गोपीनाथ वर्मा, सुधीर वर्मा, रतन वर्मा डेविड आदि उपस्थित रहे ।

मुख्य विकास अधिकारी महोदय, की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की द्वितीय अंतर्विभागीय बैठक का आयोजन किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सभी विभागों के संवेदीकरण एवं माइक्रोप्लान की समीक्षा की गई। प्रयागराज 03

जुलाई 2023 : मुख्य विकास अधिकारी महोदय की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जनपद स्तरीय अर्न्तविभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी। सर्वप्रथम मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय द्वारा तैयारियों पर चर्चा की गई। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान में अंतर्विभागीय माइक्रोप्लान एवं संवेदीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई।मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम को समन्वय बनाकर कार्य हेतु निर्देशित किया गया। सभी विभागों के कार्य को कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी महोदय ने वी एच एन डी बैठक को मुख्य चिकित्सा अधिकारी महोदय के साथ 2 सी एच सी मॉनिटरिंग हेतु कहा गया। सभी लोग प्रचार प्रसार सामग्री का उचित प्रकार से प्रयोग करें। कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग हेतु पॉइंट्स डीपीआरओ से मिलकर तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशु पांडे , जिला मलेरिया अधिकारी आनंद सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पंचायत राज विभाग, नगर निगम/शहर विकास, कृषि विभाग, पशु पालन विभाग, दिव्यांग कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, मौजूद रहे ।

एसएचओ से पीड़ित' नाम से बना दिया ट्विटर अकाउंट, पोस्ट किए गए हैं शिकायती पत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज के गंगानगर के इंडिया में एक बेहद अजीब मामला सामने आया है। यहां कुछ लोगों ने एसएचओ हंडिया से पीड़ित नाम से

ट्विटर अकाउंट बना दिया है। खास बात यह है कि इस पर 1200 से ज्यादा ट्वीट हो चुके हैं और इस अकाउंट को 300 से ज्यादा लोग फॉलो भी कर रहे हैं। इसमें ज्यादातर शिकायतें हंडिया थाने से संबंधित हैं। ट्विटर पर यह अकाउंट 'एसएचओ इंडिया धर्मेंद्र कुमार दुबे के द्वारा पीड़ित' नाम से बनाया गया है। इस अकाउंट के संक्षिप्त परिचय में लिखा है कि 'एक बार इंडिया न्याय मांगने आइए खुद अपराधी बना देगी पुलिस जनवरी में यह अकाउंट बनाया गया यानी इसे संचालित होते हुए करीब छह महीने बीत चुके हैं। वर्तमान समय में इसके कुल 359 फॉलोअर हैं और इससे कुल 1221 ट्वीट किए जा चुके हैं। इस ट्विटर अकाउंट पर शिकायती पत्र पोस्ट किए गए हैं। यह इंडिया थाने से संबंधित हैं और इनमें इंडिया थाने की पुलिस पर आरोप लगाए गए हैं। यही नहीं कई तस्वीरें और ऑडियो व वीडियो भी पोस्ट किए गए हैं। ऐसे ही एक वीडियो में कुछ लोग हथियार लेकर गालीगलौज करते नजर आ रहे हैं। वीडियो पोस्ट करने वाले ने लिखा है कि यह अवैध हथियार हैं, जिसकी जांच व कार्रवाई शिकायत के बाद भी नहीं की गई। उधर, कुछ लोगों की लहूलुहान हाल में तस्वीरें भी पोस्ट की गई हैं। इस ट्विटर अकाउंट पर जो शिकायतें हैं उनमें से एक मिदिउरा गांव के महेश चंद्र पांडेय की हैं। उसने बताया कि पिछले साल नवंबर में बच्चों के झगड़े में शिकायत करने गए उसके भाई दिनेश चंद पांडेय पर जानलेवा हमला किया। बैट व राइफल की बट मारकर सिर फोड़ा गया और लोहे की रॉड से पैर की हड्डी तोड़ दी गई तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने तीन दिन बाद मामूली धाराओं में मुकदमा लिखा वह अस्पताल में मौत से लड़ रहा था और उधर उसका मुकदमा लिखने के एक मिनट बाद ही उल्टा उसके खिलाफ ही रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। इसके बाद हिस्ट्रीशीटर आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की गई और पुलिस समझौते का दबाव बना रही है। आरोप लगाया कि इंस्पेक्टर उसे फर्जी मुकदमे में जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं। इस मामले में इंडिया इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार दुबे से बात की गई तो उन्होंने ऐसे किसी अकाउंट की जानकारी से इन्कार किया। यह भी कहा कि वह टविटर व फेसबक नहीं चलाते ऐसे में इस बारे में कछ नहीं सट्टा।

एक करोड़ रंगदारी मांगने के मुकदमे में फरार ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ वारंट जारी कराने की तैयारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज फरार चल रहे कौड़िहार ब्लॉक प्रमुख व गोतस्कर गिरोह सरगना मो. मुजफ्फर पर जल्द

ही शिकंजा कसा जाएगा पूरामुफ्ती पुलिस उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कराने की तैयारी में है। जल्द ही इसके लिए कोर्ट में अर्जी दी जाएगी। एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में मुजफ्फर व उसके छह भाई महीने भर से फरार हैं। अब तक उनका पता नहीं चल सका है। 28 मई को कौशाम्बी निवासी किसान रामजीवन (48) की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी ब्लॉक प्रमुख ने कोर्ट में गुहार लगाई थी। इस पर शपथ लेने तक उसके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी गई थी। तीन जून को उसने कौड़िहार ब्लॉक में शपथ ली। हालांकि, इसके बाद रहस्यमयी तरीके से वह गायब हो गया। पूरामुफ्ती व नवाबगंज पुलिस ने बेगम बाजार से लेकर चफरी स्थित उसके मूल निवास तक दबिश दी, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। पुलिस टीमों ने कौशाम्बी के असरावल में स्थित उसके करीबियों के घरों पर भी दबिश दी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक महीने से ज्यादा का वक्त बीत गया है, लेकिन अब तक मुजफ्फर व उसके भाइयों का कोई सुराग नहीं मिल सका है। इसे देखते हुए ही पुलिस उसके खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी कराने की तैयारी में है। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए जल्द ही अर्जी दी जाएगी। इस मामले में एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

प्रयागराज-वाराणसी हाईवे की एक लेन 59 दिन तक शिवभक्तों के लिए आरक्षित, वाहनों का बदला गया रूट

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज कांवड़ यात्रा के मद्देनजर चार जुलाई से 59 दिनों के लिए शास्त्री ब्रिज की एक लेन कांवड़ियों के लिए

आरक्षित रहेगी। इस दौरान सामान्य वाहनों का आवागमन केवल एक लेन से होगा। उधर, इस अवधि के लिए भारी व कॉमर्शियल वाहनों के लिए अंतरजनपदीय डायवर्जन लागू किया गया है। सावन माह 4 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांवड़िये गंगा घाटों से जल एकत्र कर शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं। साथ ही वाराणसी भी जाते हैं। इसको देखते हुए प्रयागराज से वाराणसी तक कांवड़ियों के लिए बाईं तरफ की लेन आरक्षित करने का निर्णय लिया गया है। सामान्य वाहन दाहिनी लेन से आएंगे और जाएंगे। एसीपी यातायात संतोष सिंह ने बताया कि डायवर्जन लागू कर दिया गया है। यातायात व्यवस्था सुचारु रहे, इसके मद्देनजर पूरी तैयारी कर ली गई है। भारी/कॉमर्शियल वाहनों के लिए डायवर्जन वाराणसी, भदोही, जौनपुर, मिर्जापुर, कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, रीवा (मप्र) जनपद से प्रयागराज वाराणसी मार्ग से होकर जाने वाले वाहनों के लिए डायवर्जन इस प्रकार से होगा। 1. कानपुर की ओर से वाराणसी को जाने वाले वाहन फतेहपुर से लालगंज, रायबरेली, प्रतापगढ़, मछली शहर, जौनपुर, मड़ियाहू के रास्ते जाएंगे तथा वापसी का मार्ग भी यही होगा। 2. लखनऊ की ओर से वाराणसी जाने वाले भारी/कॉमर्शियल वाहन रायबरेली, ऊंचाहार, प्रतापगढ़, जौनपुर के रास्ते जाएंगे व इसी मार्ग से वापसी करेंगे। 3. प्रतापगढ़ की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन मछली शहर, जौनपुर, मड़ियाहूं के रास्ते जाएंगे और इसी मार्ग से वापसी करेंगे। 4. रीवा की ओर से वाराणसी जाने वाले वाहन घूरपुर गौहनिया से मिर्जापुर के रास्ते जाएंगे। 5. वाराणसी से कानपुर की तरफ जाने वाले वाहन हंडिया से थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी बाईपास होते हुए कानपुर जाएंगे व जिन वाहनों को प्रयागराज में माल लोड-अनलोड करना है, वह नवाबगंज बाईपास से फाफामऊ, तेलियरगंज, लोकसेवा आयोग होते हुए शहर क्षेत्र में प्रवेश करेंगे। 6. रीवा रोड से प्रयागराज होकर लखनऊ/कानपुर जाने वाले वाहन चित्रकूट, बांदा, चौडगरा, फतेहपुर होकर जाएंगे व वापसी का मार्ग भी यही होगा। 7. मिर्जापुर से कानपुर/लखनऊ जाने वाले वाहन औराई, भदोही होकर राष्ट्रीय राजमार्ग से जाएंगे।

छुट्टा पशुओं से मिलेगी राहत, खेतों के चारों ओर लगाए जाएंगे करंट वाले तार; पर नहीं होगी पशुओं की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज फसलों को छुट्टा पशुओं एवं जंगली जानवरों से बचाने के लिए कृषि विभाग मुख्यमंत्री सुरक्षा योजना (सोलर फेंसिंग) लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसमें खेत के चारों तरफ तार लगाएं जाएंगे, जिनमें 12 वोल्ट का करंट दौड़ेगा। इससे खेत में घुसने की कोशिश करने वाले पशु या जानवर को केवल जोर का झटका लगेगा उसे कोई नुकसान नहीं होगा। पूरा सिस्टम सौर ऊर्जा से काम करेगा और इसकी पूरी लागत पर सरकार 60 प्रतिशत अनुदान देगी। प्रस्ताव तैयार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने इसके प्रस्तुतिकरण की तैयारी है। छुट्टा पशुओं की समस्या से किसान बुरी तरह प्रभावित हैं। उधर सरकार इन पर अंकुश लगाने के तमाम उपाय कर रही है। पर, सारे उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। पशु फसलों को चट कर रहे हैं। रही सही कसर जंगली जानवर पूरी कर देते हैं किसानों ने इनसे बचाव के लिए कटीले तार लगाने शुरू किए, तो सरकार ने इस पर रोक लगा दी सरकार का कहना था कि इससे गोवंश घायल हो रहे हैं, पर किसान अब भी तार लगा रहे हैं। किसानों का कहना है कि वे आखिर क्या करें। अब सरकार इस समस्या से निजात के लिए मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना (सोलर फेंसिंग) पर काम कर रही है। कृषि विभाग ने इसका पूरा प्रस्ताव तैयार किया है। हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु की स्टडी राजस्थान, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश के किसान बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल कर लाभ उठा रहे हैं। वहां यह योजना लागू है। अपने यहां इन राज्यों की स्कीम का अध्ययन कर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। तैयारी है कि योजना और बेहतर बने बैटरी से चलने

वाले इस सोलर फेंसिंग की लागत लगभग 1,43000 रुपये प्रति हेक्टेयर आती है। सरकार लघु सीमांत किसानों को योजना के दायरे में रखते हुए 60 प्रतिशत अनुदान देगी।

डीसीपी ने एसएचओ के खिलाफ बैठाई जांच एसीपी इंडिया को दी जांच की जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज के गंगानगर में एसएचओ इंडिया धर्मेंद्र कुमार दुबे के द्वारा पीड़ितठ नाम से ट्विटर काउंट बनाए जाने के मामले में फिलहाल जांच बैठा दी गई है। एसीपी इंडिया को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब रिपोर्ट के आधार पर इंस्पेक्टर

के खिलाफ कार्रवाई तय होगी। फिलहाल इंस्पेक्टर इंडिया धर्मेंद्र कुमार दुबे अवकाश पर चले गए हैं। अवकाश से आने के बाद उनसे पूछताछ होगी। दरअसल, ट्विटर पर एसएचओ इंडिया धर्मेंद्र कुमार ठदुबे के द्वारा पीड़ितठ नाम से जनवरी 2023 में एक एकाउंट बनाया गया है। इस अकाउंट के संक्षिप्त परिचय में लिखा है कि एक बार इंडिया न्याय मांगने आइए खुद अपराधी बना देगी पुलिसठ। खास बात यह है कि इस पर 1200 से ज्यादा ट्वीट हो चुके हैं और इस अकाउंट को 300 से ज्यादा लोग फॉलो भी कर चुके हैं। इसमें ज्यादातर शिकायतें इंडिया थाने से संबंधित हैं। सोशल मीडिया पर इंडिया सुधीर कुमार ने बताया कि फिलहाल इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार दुबे अवकाश पर हैं। उनके वापस आने पर इस संबंध में पूछताछ की जाएगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस ट्विटर अकाउंट के बने 6 महीने बीत चुके हैं और पुलिस की सोशल मीडिया टीम की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी। इस अकाउंट पर लोगों ने अपने अपने मामलों में भी उच्चाधिकारियों से जांच और न्याय की गुहार लगाई है। बावजूद इसके अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई?। शिकायतें ट्वीट करते समय जिला पुलिस को भी टैग किया गया है। उसके बाद भी अभी तक इस मामले को गंभीरता से क्यों नहीं लिया गया यह बड़ा सवाल है। जब यह मामला ट्रेड करने लगा और मीडिया में खबरें सामने आई तक पुलिस महकमा जगा और इसकी जांच कराने की बात सामने आई। अब डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती ने जांच के आदेश दिए हैं। बताया कि एसीपी इंडिया को जांच कर रिपोर्ट देने को निर्देशित किया गया है। एसीपी

कभी ऑडियो तो कभी वीडियो हो रहा वायरल,सुर्खियो में हैं पीसीएस अफसर ज्योति मौर्या

(आधुनिक समाचार सेवा)

बरेली।पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या और उनके पति आलोक मौर्या के बीच का मसला इंटरनेट पर खूब सनसनी पैदा कर रहा है।बरेली जिले में तैनात पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या इन दिनों सोशल मीडिया और लोगों की जुबान पर हैं। ज्योति पर उनके पति आलोक मौर्या ने गंभीर आरोप लगाए हैं।आलोक का आरोप है कि ज्योति का गाजियाबाद में तैनात होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के साथ संबंध हैं।आलोक ज्योति पर रिश्वत लेने का भी आरोप लगाया हैं।आलोक ने पत्र लिखकर इसकी शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है।उनके आरोपों की जांच-पड़ताल हो रही है। ज्योति मौर्या और आलोक मौर्या का नया-नया ऑडियो और वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि ऑडियो और वीडियो इन्हीं दोनों का है।इस समय ज्योति मौर्या का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।ऑडियो में ज्योति अपने पति आलोक से बहस कर रही हैं।दोनों के बीच जमकर बहस हो रही है।वहीं एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।यह वीडियो भी नौकरी से पहले का बताया जा रहा है।इस वीडियो में ज्योति आलोक के साथ गाली-गलौज करती हुई दिखाई दे रही है। बता दें कि प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले आलोक मौर्या की शादी 2010 में वाराणसी की रहने वाली ज्योति मौर्या से हुई थी। 2015 में ही उसने जुड़वां बेटियों को भी जन्म दिया। आलोक का कहना है कि उनकी पत्नी ज्योति मौर्या अफसर बनने की इच्छा जाहिर की और कहा कि मैं तैयारी करके अफसर बनना चाहती हूं।बड़ी मेहनत के साथ अपनी पत्नी को प्रयागराज ले जाकर सिविल सर्विस की तैयारी कराई।साल 2016 में ज्योति मौर्या ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर ली और एसडीएम बन गईं। आलोक मौर्या का कहना है कि नौकरी लगने के कुछ साल तक सब कुछ ठीक चला, लेकिन 2020 में ज्योति मौर्या की जिंदगी में होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे आ गया और उन दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चलने लगा।इस बात का पता जब उनको चला तो उन्होंने विरोध किया।विरोध करने के बाद मनीष दुबे और उनकी पत्नी ज्योति मौर्या उनकी जान की दुश्मन बन गईं। ज्योति मौर्या और मनीष दुबे उनकी हत्या कराना चाहते हैं। इस पूरे मामले में अब तरह-तरह का खुलासा हो रहा है।ज्योति मौर्या का एक ऑडियो और वीडियो वायरल हो रहा है,जिससे ज्योति और अधिक सुर्खियों में हैं।ऑडियो में सुना जा सकता है कि ज्योति और उनके पति आलोक के बीच जमकर बहस हो रही है।वहीं एक वीडियो भी सामने आया है।ज्योति अपने पति पर गंदी-गंदी गालियों का इस्तेमाल कर रही हैं और अब अशब्द भी बोल रही हैं।फिलहाल यह वीडियो नौकरी लगने से पहले का बताया जा रहा है। बताते चलें कि बरेली के सीमा खेड़ा में शुगर मिल में जीएम के पद पर तैनात ज्योति मौर्या के पति आलोक मौर्या ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।आलोक ने ज्योति मौर्या की वॉट्सऐप चैट वायरल की है, जिसमें उनके और मनीष दुबे के बीच बातचीत के चैट हैं।आलोक ने कुछ कागजात भी दिखाए हैं और आरोप लगाए हैं कि इसमें दर्ज एंट्री से ज्योति काली कमाई करती थीं। आलोक ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से भी की है।आलोक का कहना है कि मनीष और ज्योति दोनों उनकी हत्या कराना चाहते हैं। बरहाल ज्योति ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को गलत बताया। ज्योति का कहना है कि वॉट्सऐप हैक करके सभी चैट वायरल किए गए हैं।आलोक उनसे 50 लाख रुपए और एक घर मांग रहे थे।जब उन्होंने मना कर दिया तो उनका वॉट्सऐप हैक कर लिया।ज्योति का कहना है कि उन्होंने प्रयागराज के धूमनगंज थाने में अपने पति के खिलाफ आईटी एक्ट और अन्य धाराओं में मुकदमा भी दर्ज कराया है। उनका तलाक के लिए कोर्ट में मामला चल रहा है।

जिसका गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं - स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। सर्व शक्ति साधना मंडल के तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। निखिल धाम बनखंडी सरकार गैपरा जौरा मुरैना के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर अपने शिष्यों को आयोजित किया गया। सुबह 9 बजे से भंडारा शुरू होकर रात 10 बजे तक चलता रहा। इस बिशाल भंडारे में ट्रैक्टर ट्रालियों मे सब्जी,खीर और मालपुआ लोड करके भंडारे में बाटा जा रहा था। इस बिशेष अवसर तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं एवं जिले के लगभग सभी अधिकारियों का आना जाना सुबह से ही शुरू हो लगभग 60 लोग पहुंच गए थे। सभी शिष्यों ने श्री राम कथा का रसास्वादन लिया और गुरु पूर्णिमा पर अपने परम पूज्य गुरुदेव का गुरु पूजन किया और आशीर्वाद लिया। गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर नोएडा के शिष्य सी एल तिवारी ने आश्रम में भक्तों को ठहरने के लिए एक 30 बाई 45 का हाल बनवाने का संकल्प लिया और

आशीर्वाद देते हुए कहा कि गुरु के बिना जीवन शुरू होना संभव नहीं हो सकता है। इसलिए हर एक व्यक्ति को अपने जीवन में गुरु अवश्य बनाना चाहिए। गुरु के बिना हम सद्मार्ग पर नहीं चल सकते है। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर मुख्य गुरु पूजन राजेन्द्र सिंह ठेकेदार ने किया और बिशिष्ट गुरु पूजन नोएडा से आए सी एल तिवारी ने किया। गुरु पूर्णिमा पर आश्रम में 23 जून से श्री राम कथा चल रही थी कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008स्वामी पंचमानंद जी महाराज द्वारा कही गई।2 जून को हवन एवं विशाल भंडारा गया था। सुबह से ही आश्रम में भक्तों की भीड देखते बन रही थी। चारों ओर जय श्री राम , बनखंडी सरकार एवं निखिलेश्वर महादेव के नारों से समूचा आश्रम गुन्जायमान था। परम पूज्य गुरुदेव अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज के शिष्यों का आवागमन दो दिन पहले से ही शुरू हो गया था। बंगलौर, लुधियाना दिल्ली, झारखंड,बाम्बे, पटना, उज्जैन लखनऊ,आगरा, भोपाल, प्रयागराज एवं नोएडा से हजारों शिष्य शामिल हुए। गुरु परिवार नोएडा के शिष्यों ने दो दिन पहले ही एक बस बुक करके इस पावन पर्व पर परिवार सहित इसका नींव पूजन भी किया। इस मौके पर पं विश्व नाथ त्रिपाठी,देव मणि शुक्ल,सी एल तिवारी, आचार्य गौरव,रवि राघव, संजय पांडेय, आचार्य राम अवतार शास्त्री,गोरे लाल, अंगद सिंह तोमर, आचार्य नीरज शर्मा,रमेश वर्मा,हंस मणि शुक्ल, हरि शंकर सिंह, राजेश कुमार गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, धर्मेंद्र कुमार मिश्र, सत्येन्द्र प्रताप सिंह कुन्दन सिंह, प्रशान्त तिवारी, प्रान्जल शुक्ला, तुषार गुप्ता, पीयूष शुक्ल, हर्ष मिश्रा,क?ष्णा मिश्रा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अपने पैरों पर खड़े होने युवाओ के लिए बेहतर अवसर दे रही भाजपा सरकार

(आधुनिक समाचार सेवा)
मैहर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य का चतुर्वेदी ने अपनी जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश में हर वर्ग तथ्य के लोगों के लिए अनेक होने की योजना के माध्यम से लाभान्वित कर रही है वही अब युवाओं के लिए सुनहरा अवसर और एक बड़ी योजना आज से प्रारंभ हो रही है सीखो कमाओ योजना के तहत 100000 से अधिक युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होना एवं अपनी स्वयं की पहचान बनाने के लिए एक बड़ी योजना का शुभारंभ किया जा रहा है जिसमें बड़ी आसानी से अपनी मेहनत और लगन से देश और समाज में अपना युवा पहचान स्वयं बना लेगा इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि । मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजनामध्य प्रदेश शासन योजना के बारे में मुख्य पृष्ठ योजना के बारे में योजना के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण देने वाले प्रतिष्ठानों का पंजीयन 07 जून 2023 से और काम सीखने के इच्छुक युवाओं का पंजीयन शीघ्र प्रारंभ होगा । 15 जुलाई 2023 से युवाओं का आवेदन आरंभ होगा तथा 31 जुलाई 2023 से युवा, प्रतिष्ठान एवं मध्य प्रदेश के मध्य अनुबंध हस्ताक्षर (ऑनलाइन) की कार्यवाही होगी तथा 01 अगस्त 2023 से विभिन्न प्रतिष्ठानों में युवाओं का प्रशिक्षण प्रारंभ होगा। 1 माह प्रशिक्षण के उपरांत अर्थात् 1 सितंबर 2023 से युवाओं को राशि (स्टाइपेण्ड) का वितरण राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। उपरोक्त समस्त कार्यवाही योजना के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जाएगी। यह क्रांतिकारी योजना युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा होना सिखाएगी। औपचारिक शिक्षा के उपरातं बहुधा

युवा औद्योगिक एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में रोजगार प्राप्त करने के लिए पर्याप्त कुशल नहीं होते। माननीय मुख्यमंत्री जी के मंशानुरुप राज्य शासन द्वारा औपचारिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को पंजीकृत औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में ध्ह-प-व्दं-ऊँग्हग्ु (ध्ळ्ऊ) की सुविधा देने हेतु ''मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना'' लागू की गई है, जिससे औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान युवाओं को प्रशिक्षित करने तथा युवा ऐसा प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित हों। योजना के तहत प्रतिवर्ष 1 लाख युवाओं को लाभ मिलेगा, आवश्यकतानुसार लक्ष्य बढ़ाया जा सकता हैं। प्रत्येक युवा को राज्य शासन द्वारा ?1 लाख तक का स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा। **1. युवाओं की पात्रता :** योजना के तहत ऐसे युवा पात्र होंगे, जिनकी आयु 18 से 29 वर्ष तक हो । जो मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी हों । जिनकी शैक्षणिक योग्यता 12वीं/आईटीआई उत्तीर्ण या उससे उच्च हो। योजना के तहत चयनित युवा को ङ्खछात्र-प्रशिक्षणार्थीङ्ख कहा जाएगा। **2. युवाओं को स्टाइपेण्डः** मध्यप्रदेश के युवाओं को प्रशिक्षण के साथ साथ प्रतिमाह स्टाइपेण्ड प्राप्त होगा। 12वीं उत्तीर्ण को रु. 8000, आईटीआई उत्तीर्ण को रु. 8500, डिप्लोमा उत्तीर्ण को रु. 9000 एवं स्नातक उत्तीर्ण या उच्च शैक्षणिक योग्यता को रु. 10000 स्टाइपेण्ड प्राप्त होगा। स्टाइपेण्ड, कोर्स के लिए निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता के आधार पर निर्धारित किया गया है। **3. युवाओं को लाभः** उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण। नवीनतम तकनीक और नवीनतम प्रकिया के माध्यम से प्रशिक्षण। व्यावसायिक प्रशिक्षण के दौरान स्टाइपेण्ड। मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा का प्रमाणन। नियमित रोज़गार प्राप्त करने की योग्यता अर्जित करना।

मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक को ड्राइवर ने पीटा, मुकदमा ने दर्ज

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज हाथ की हड्डी टूटी, मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज

के चिकित्सक डॉ. वीके सिंह से घरेलू ड्राइव ने मारपीट की पिटाई से चिकित्सक के हाथ की हड्डी टूट गई। इस मामले में ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। डॉ. वीके सिंह मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में बतौर चिकित्सक तैनात हैं। बुधवार को उन्होंने अपने घरेलू ड्राइवर दारागंज निवासी शुभम के खिलाफ मारपीट और धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि शुभम ने उनके साथ मारपीट की। इसके कारण उनके हाथ की हड्डी टूट गई। उसने पत्नी और परिवार के अन्य लोगों को भी जान से मारने की धमकी दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की छानबीन की जा रही है। फिलहाल इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की गलत नीतियों के सताए हुए हैं फ्लैट बायर्स और किसान - अन्नू खान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। नोएडा वेस्ट समाजसेवी व नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने आज 18 दिन जेल में बंद रहे छोटी मिल्क के पूर्व प्रधान महाराज सिंह एवं खोदना

खुर्द के प्रधान भीम सिंह आदि किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में प्राधिकरण की गलत नीतियों की वजह से फ्लैट बॉयर्स और किसान दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं और सड़कों पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं जहां एक तरफ किसानों की आबादी बढ़े हुए मुआवजे अथॉरिटी दे नहीं पा रही है वहीं पर सपनों के आशियाने के लिए 12 वर्षों से अपने फ्लैट के इंतजार में हजारों फ्लैट बॉयर्स की आंखें सूखी जारी हैं और उन फ्लैट बॉयर्स पर दोहरी मार पड़ रही है जिनको घर नहीं मिले हैं एक तरफ घर का किराया देना पड़ रहा है दूसरी तरफ बैंक की भारी-भरकम क़िस्त देनी पड़ रही है जिन लोगों को फ्लैट मिल गए हैं उन हजारों लोगों की अलग-अलग सोसाइटीओं में रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है इन सब के पीछे अथॉरिटी की गलत नीतियां हैं जिसमें हम सभी घुन की तरह पिस रहे हैं ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के खिलाफ दो महीने तक चले आंदोलन के बाद शनिवार 24 जून को प्रदर्शनकारी किसानों और प्रशासन के बीच समझौता हो गया है. जिसके चलते आंदोलन को 15 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। राज्य सभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर के हस्तक्षेप के बाद लिखित समझौते के अनुसार, पिछले 18 दिनों से जेल में बंद 33 किसानों की रिहाई हो पाई, मुकदमों की वापसी और अन्य मुद्दों के शीघ्र समाधान के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया था किसान महाराज सिंह प्रधान ने कहा है कि अगर उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं तो वे एक बार फिर से किसान आंदोलन शुरू करने के लिए तैयार होंगे ।

निगम की ओर से 50 करोड़ रुपये का बांड जारी करने का निर्णय लिया गया है

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। बैठक में इस प्रस्ताव को भी मंजूरी मिल गई। इसी के साथ नैनी में वाटर वर्क्स प्लांट के निर्माण का रास्ता भी साफ हो गया है। नैनी विस्तारित क्षेत्र में जलापूर्ति के पाइप लाइन बिछाने, वाटर वर्क्स प्लांट पर 385.32 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें से 35.96 करोड़ रुपये का इंतजाम बांड से किया जाएगा। प्लांट की क्षमता 81 एमएलडी की होगी। इससे ट्यूबेल पर निर्भरता कम होगी और भूजल को सरंक्षित करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा खुसरो बाग एवं करैला बाग स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को सोलर एनर्जी से संचालित करने का भी निर्णय लिया गया है। इस पर कुल 17.55 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें से 14.04 करोड़ रुपये का इंतजाम बांड से किया जाएगा। इस तरह बाडं के माध्यम से प्राप्त 50 करोड़ रुपये इन दो योजनाओं पर खर्च किये जायेंगे।

महर्षि आश्रम में वेदोक्त विधि से गुरु पूर्णिमा महोत्सव संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। सेक्टर 107 स्थित ज्ञान युग की राजधानी महर्षि आश्रम में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव 51 वैदिक पंडितों

द्वारा यजुर्वेद ऋग्वेद सामवेद के अनुसार पंडित सतीश भट्ट के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक होरी लाल कुशवाहा को भजनप्रस्तुतिके बाद पूज्य महर्षि महेशयोगी का संदेश गुरुदेव की महिमा का व्याख्यान देते हुए वैद्य अच्युत कुमार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संसार सागर से मुक्ति बिना गुरु के संभव नहीं है। चाहे वह व्यक्ति ब्रह्मा या शंकर के समान क्यों ना हो। तीनो लोको में उन के समान महान कोई नहीं है सतयुग से लेकर वर्तमान तक गुरु का अलौकिक महत्व है भगवान राम वशिष्ठ और विश्वामित्र के बिना लंका पर विजय तथा धनुष भंग नहीं कर सकते थे इसी प्रकार भगवान कृष्ण द्वारा दुराचारियों का नाश बिना गुरु की कृपा के समभव नहीं था। निर्वाणी अखाड़ा के महान संत पीतम आचार्य महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा की सनातन धर्म के माध्यम से आज जगतगुरु शंकराचार्य द्वारा यह परंपरा सर्वविदित है जिसे हमारे जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती की शिष्य पूज्य महर्षि महेश योगी द्वारा ज्योतिष , तथा भावातीत ध्यान के माध्यम से सारे विश्व में फैलाया जा रहा है मैं उन्हें हृदय से साधुवाद देता हूं। गुरु पर्व के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अजय प्रकाश श्रीवास्तव गुरु पूर्णिमा पर अपने संदेश में कहा यह पर्व गुरु तथा शिष्य के समर्पण त्याग एवं बलिदान के साथ राष्ट्र को एक विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित करने में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रहा है जिसे विश्व की महान शक्तियां भारत की ओर टकटकी लगाकर देख रही हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे इस अवसर पर महर्षि टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अजय प्रकाश श्रीवास्तव तथा विश्वविद्यालय की निदेसिका श्रीमती अदिति श्रीवास्तव, वेद विज्ञान विद्यापीठ के सचिव शिशिर श्रीवास्तव, ध्यान शिक्षक विनीत श्रीवास्तव, शिशुपाल यादव तथा अल एस सोम के अतिरिक्त महर्षि आश्रम के वैदिक पंडित आचार्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जसरा में वज्रपात से व्यक्ति की हुई मौत जसरा प्रयागराज

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज यमुनापार क्षेत्र के तातार गंज गांव में खेत की नाली बना रहे किसान की वङ्कापात से मौत हो गई। जिससे परिजन गमगीन हो गए। बुधवार की देर शाम लगभग

10:00 बजे नवल सिंह 50 अपने खेत में पानी जाने के लिए फावड़े के सहारे नाली बना रहे थे। इसी दौरान अचानक आकाशी वङ्कापात होने से नवल सिंह चपेट में आ गए और झुलस गए सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए और आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता अनंत बहादुर सिंह लगभग 25 वर्षों तक गांव के प्रधान रहे। तथा गांव में एक प्रतिष्ठित व्यक्तियों में इनकी की गिनती की जाती थी। नवल सिंह की मौत से गांव में एक ओर जहां मातम पसर गया वही परिजनों का रो-रो बुरा हाल है। वहीं मृतक नवल किशोर के 2 पुत्र और एक पुत्री हैं पुत्री की शादी कर चुके थे वही दोनों पुत्र विवेक सिंह और रवि सिंह कंपटीशन की तैयारी कर रहे हैं पिता की अकाल मृत्यु दोनों पुत्रों का रो-रो बुरा हाल है वही सूचना पर पहुंची घूरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

100% Placement

सीधे प्रवेश

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)

15% Fee Concession

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) — फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर — वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी — सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग — रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन — सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं — बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्टिक मैकैनिक — कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873

➩ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

दीक्षांत समारोह उड़ान 2023 का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नोएडा। स्थित जीएल बजाज इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेण्ट एण्ड रिसर्च के पीजीडीएम विभाग में चल रहे दीक्षारम्भ समारोह उड़ान-2023 में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेनेजमेंट तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ0 पवन कि मंदी के कारण दुनिया भर के लगभग सभी देश प्रभावित हो रहे हैं, व्यावसायिक क्षेत्र की नए लोगों से उम्मीदें बढ़ गई हैं। कंपनियां भर्ती में अतिरिक्त सावधानी बरत रही हैं और इसलिए आपके पीजीडीएम कार्यक्रम की इस दो साल की यात्रा का सभी

कुमार सिंह शामिल हुए। डॉ0 पवन कुमार सिंह ने नए आगुन्तक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जीएल बजाज शिक्षण संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। आप सभी को इस सुन्दर और सामरिक परिसर की उन्नत सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए और माता-पिता के साथ साथ अपने देश का नाम भी रोशन करना चाहिए। आप सभी छात्र देश के कर्णधार हो इसलिए देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी आप सभी की है। आपके जीवन की यात्रा आज और यही से शुरू हो गई है। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप किसी से कम नहीं हो इसलिए भीड़ का हिस्सा न बनकर खुद एक आदर्श बनो। जीएल बजाज शिक्षण संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा आवश्यक कौशल से लैस होना जरुरी है। जीएल बजाज संसथान ने अपने परिसर में अत्याधुनिक पुस्तकालयों और अनुसंधान सुविधाओं से लेकर उन्नत प्रयोगशालाओं तक का समावेश किया है। आप सभी उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाएं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियों में शामिल हों, अपने गुरुओं से मार्गदर्शन लें और हर संभव तरीके से खुद को सशक्त बनाएं। संस्थान के वैश्विक नेटवर्क में प्रवेश करें और विश्व स्तरीय शिक्षकों के दक्षतापूर्ण अनुभव को प्राप्त करें। अंत में विभाग में बनाई गई नई डिजिटल क्लासों का उद्घाटन किया गया। इस दौरान पीजीडीएम निदेशक डॉ0 सपना राकेश ने मुख्य अथिति डॉ0 पवन कुमार सिंह को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 आनंद राय ने दिया।

सम्पादकीय

टमाटर के बहाने बाजार का न्याय किसान के चेहरे पर आई मुस्कुराहट

अभी टमाटर के भावों से किसान के चेहरे पर मुस्कुराहट आई है, लेकिन यह सिर्फ एक मामला है। क्या बाजार व्यवस्था में ऐसा संतुलन नहीं हो सकता कि मुनाफे का न्यूनतम पचास फीसदी किसानों तक पहुंच सके? आखिर बाजार उपभोक्ता और उत्पादक, दोनों का बड़ा हिस्सा क्यों ले जाता है अक्सर हमें टमाटर उत्पादक किसानों के चेहरे पर मुस्कुराहट नहीं दिखाई देती। मात्र एक महीने पहले महाराष्ट्र के किसान टमाटरों को सड़कों पर फेंक रहे थे, क्योंकि खबरों के मुताबिक टमाटर के थोक मूल्य में दो रुपये प्रति किलो की गिरावट आ गई थी। लेकिन अब कहानी बदल गई है। कई शहरों में टमाटर के खुदरा मूल्य सौ रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर गए हैं और मजे की बात यह है कि किसानों को भी अपेक्षाकृत ज्यादा दाम मिल रहे हैं।हिमाचल प्रदेश से खबर है कि टमाटर उत्पादक किसानों को 102 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से अधिकतम कीमत मिल रही है, जो सेब की कीमत से भी ज्यादा है। यहां तक कि पंजाब में भी किसानों को 80 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम के मिल रहे हैं, जबकि शॉपिंग मॉल में उपभोक्ता के लिए कीमत 97 से 137 रुपये प्रति किलोग्राम है। इसे दूसरे शब्दों में कहें, तो मुनाफे में व्यापारियों के हिस्से में काफी कमी आई है, जिसके चलते किसानों को मोटे तौर पर अंतिम उपभोक्ता मूल्य का 70 से 80 फीसदी हिस्सा मिल रहा है। मैं चाहूंगा कि तमाम सब्जियों और फलों के मामले में यह प्रवृत्ति देखने को मिले। भारतीय रसोई के एक महत्वपूर्ण मसाले- जीरे का थोक मूल्य भी बढ़ गया है। बारिश के कारण उत्पादन में भारी गिरावट और निर्यात के लिए मांग बढ़ने से जीरे का थोक मूल्य बढ़कर 55,750 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया। इसके अलावा, जलवायु संबंधी अनियमितताओं के कारण इस सीजन में हिमाचल प्रदेश में ताजा सेब की फसल में 50 फीसदी की गिरावट आने की आशंका है। ऐसे में, लगता है कि जब बाजार में नई फसल आएगी, तो उसकी खुदरा कीमतें अपेक्षाकृत ज्यादा होंगी। इसका मतलब है कि किसानों को उम्मीद से बेहतर कीमत मिलेगी। इसका एक संदेश बिल्कुल साफ है कि जब तक किसान अतिरिक्त फसल उत्पादित करने के जुनून से बाहर नहीं निकलेंगे, बाजार उनके साथ न्याय नहीं करेगा।आमतौर पर सब्जियों और फलों के उपभोक्ता मूल्य में बढ़ोतरी का लाभ किसानों को नहीं दिया जाता है। मांग और आपूर्ति का समीकरण हमेशा काम नहीं करता है। ज्यादातर देखा गया है कि खुदरा व्यापार की कीमतों में हेर-फेर से उपभोक्ता कीमतों में अचानक बहुत तेज वृद्धि होती है। उपभोक्ताओं को जहां अधिक कीमत चुकाने के लिए मजबूर किया जाता है, वहीं किसानों को बढ़े हुए मूल्य का लाभ नहीं दिया जाता है। अब शिमला मिर्च का ही उदाहरण ले लीजिए, कुछ ही हफ्ते पहले पंजाब के किसान शिमला मिर्च को सड़कों पर फेंक रहे थे, क्योंकि व्यापारी उन्हें एक रुपये प्रति किलोग्राम की दर से भी कीमत नहीं देना चाह रहे थे। जबकि फेरी वाले शहरी उपभोक्ताओं से प्रति किलोग्राम शिमला मिर्च की कीमत 30 रुपये तक वसूल रहे थे। इसका मतलब है कि बाजार में बिचौलियों का कमीशन 2,900 फीसदी होगा, जो एक तरह से शोषण है। किसान प्याज को दो से तीन रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेच रहे थे, लेकिन खुदरा बाजार में इसकी कीमत 20 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो बताता है कि व्यापारियों को 900 फीसदी मुनाफा मिल रहा था। हम इसे बाजार की चतुराई कहकर खारिज कर सकते हैं, लेकिन वास्तव में यह किसानों के लिए जीवन-मरण का प्रश्न है। जरा उस झटके की कल्पना कीजिए, जो किसानों की आजीविका पर हमले करता है। जब किसान उत्पादन लागत भी नहीं मिलने पर अपनी मेहनत से उपजाई फसल को नष्ट करने के लिए मजबूर होते हैं। कुछ महीने पहले छत्तीसगढ़ से एक खबर आई थी, जिसमें बताया गया था कि कैसे महासमुंद के एक किसान को पूरी तरह से नुकसान उठाना पड़ा था, जब उसे रायपुर मंडी में 1,475 किलोग्राम बैंगन बेचने पर परिवहन एवं अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए अपनी जेब से 121 रुपये का भुगतान करना पड़ा। सिर्फ भारत ही नहीं, अमेरिका और ब्रिटेन में भी किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। अमेरिका में जहां अंतिम उपभोक्ता मूल्य में से किसानों की हिस्सेदारी तेजी से घटी है, वहीं ब्रिटेन में एक अध्ययन से पता चलता है कि कृषि व्यवसाय करने वाली कंपनियां दैनिक उपयोग में आने वाले आधा दर्जन उत्पादों की बिक्री से होने वाले मुनाफे का मुश्किल से एक फीसदी हिस्सा ही किसानों को देती हैं। इस तरह की विसंगतियां बाजार संचालन के तरीके में खामियों का परिणाम हैं। हालांकि हर तरह के आर्थिक सुधार किए गए हैं, लेकिन व्यापार के क्षेत्र में बहुत सुधार नहीं हुए हैं। यह अनिवार्य है, क्योंकि कृषि आपूर्ति श्रृंखला बेहद जटिल है, जिसमें अन्य भागीदार तो मुनाफा कमा ले जाते हैं, लेकिन किसान ही उससे वंचित रह जाते हैं। उपभोक्ताओं को समझना चाहिए कि सिर्फ किसान ही नहीं, बल्कि वे भी व्यापारियों द्वारा ठगे जा रहे हैं। मुक्त बाजारों के भरोसे छोड़ने से दुनिया में कहीं भी किसानों को उच्च आय नहीं मिल पाई है। अगर बाजार किसानों को लाभ पहुंचाता, तो कोई वजह नहीं थी कि अमेरिका को हर साल प्रति किसान 79 लाख रुपये की घरेलू सहयता प्रदान करनी पड़ती। जाहिर है, कृषि व्यापार (जिसमें थोक एवं खुदरा बाजार, दोनों शामिल हैं) में तत्काल सुधार की आवश्यकता है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसानों को अंतिम उपभोक्ता मूल्य का न्यूनतम 50 फीसदी हिस्सा मिले। यदि टमाटर का खुदरा मूल्य 100 रुपये प्रति किलोग्राम है, तो किसानों को कम से कम 50 रुपये प्रति किलोग्राम कीमत मिले और बाजार यदि इससे भी ज्यादा कीमत किसानों को दे सकता है, तो वह स्वागत योग्य है।

पेशाब कांडः मध्य प्रदेश में जो हुआ वो मनुष्यता को शर्मसार करने वाला है

हर किसी ने इस घटना पर अपने विचार रखे और इस हरकत को शर्मसार करने वाला बताया। लेकिन मामला सिर्फ इतने पर ही नहीं थमा बल्कि, अब तो नेता दशमत रावत को घर बुलाकर उनके पैर धोते हुए भी नजर आ रहे हैं। बीते दिनों मध्य प्रदेश से एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया या यूं कहे कि इंसान को इंसान कहने पर ही शर्म आने लगी। मामला कुछ यूं था कि बीजेपी के कार्यकर्ता और सीधी से बीजेपी विधायक केदार शुक्ला के प्रतिनिधि प्रवेश शुक्ला ने एक आदिवासी समाज के व्यक्ति दशमत रावत के सिर पर पैशाब कर दी। इस घटना का वीडियो सामने आया और खूब वायरल भी हुआ। वहीं, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और साथ ही उस पर एनएसए लगाकर उसके घर को गिरा दिया गया है। बीते दिनों मध्य प्रदेश से एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया या यूं कहे कि इंसान को इंसान कहने पर ही शर्म आने लगी। मामला कुछ यूं था कि बीजेपी के कार्यकर्ता और सीधी से बीजेपी विधायक केदार शुक्ला के प्रतिनिधि प्रवेश शुक्ला ने एक आदिवासी समाज के व्यक्ति दशमत रावत के सिर पर पैशाब कर दी। इस घटना का वीडियो सामने आया और खूब वायरल भी हुआ। वहीं, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और साथ ही उस पर एनएसए लगाकर उसके घर को गिरा दिया गया है। पर यहां सवाल आदिवासी, किसी व्यक्ति समाज या कथित धर्म का नहीं है बल्कि, मानवता सबसे बड़ा धर्म है और हम एक ऐसे समाज में रहते हैं और हमारे ही समाज में हमारी ही संस्कृति में वसुधैव कुटुंबकम की धारणा या उस धर्म को माना जाता है, तो फिर एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति पर पेशाब करना ये सवाल खड़ा करता है कि हम किस नैतिक-चारित्रिक पतन की तरफ जा रहे हैं हर किसी ने इस घटना पर अपने विचार रखे और इस हरकत को शर्मसार करने वाला बताया। लेकिन मामला सिर्फ इतने पर ही नहीं थमा बल्कि, अब तो नेता दशमत रावत को घर बुलाकर उनके पैर धोते हुए भी नजर आ रहे हैं। यही नहीं, सीएम शिवराज सिंह चौहान ने दशमत रावत को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि और घर बनाने के लिए डेढ़ लाख रुपये की राशि भी स्वीकृत की। जी हां, एमपी के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री आवास पर दशमत रावत को बुलाया। वहीं सीएम ने पीड़ित के पैर धोए, उन्हें माला पहनाई, शॉल और श्रीफल दिए। यही नहीं, दशमत को शिवराज सिंह ने मीठा भी खिलाया और अपने साथ नाश्ता भी कराया। जिस वक्त शिवराज सिंह पीड़ित के पैर धो रहे थे, उस वक्त वे भावुक नजर आए। उनके चेहरे के भाव बता रहे थे कि वे दिल से आहत हुए हैं और इस घटना से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है। सीएम ने पीड़ित के न सिर्फ पैर धोए बल्कि उस पानी को अपने सिर से भी लगाया। साथ ही एक शॉल उड़ाकर उन्हें माला भी पहनाई।सीएम ने इस पर मीडिया

से कहा कि, ठभाई दशमत के साथ अन्याय हुआ। मेरा मन दर्द, पीड़ा और व्यथा से भर गया। इसलिए मैंने दशमत को यहां बुलाया और मन क्योंकि गहरी वेदना से भरा हुआ था। मन में बहुत तकलीफ थी कि एक बहुत अमानवीय घटना हमारे भाई के साथ घटी।ठ यही नहीं, इससे पहले मामला सामने आते ही सीएम ने कहा था कि 'आरोपी के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी और उसे छोड़ा नहीं जाएगा।' सीएम शिवराज सिंह के इस कदम को बीजेपी ने खूब सरहाया, लेकिन विपक्ष मुख्यमंत्री पर सवाल खड़े करने लगा कि राज्य में आदिवासियों की क्या स्थिति है। कांग्रेस ने तो इसको लेकर पांच सदस्तीय टीम तक का गठन कर दिया है, जिसमें पूर्व सांसद मानिक सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष लाल चंद गुप्ता, पूर्व विधायक सरस्वती सिंह, जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और वरिष्ठ नेता बसंती कोल शामिल हैं। आज यानी 8 जुलाई 2023 तक इस टीम को अपनी जांच रिपोर्ट देने को कहा गया है।कांग्रेस भी नहीं पीछे यही नहीं, सीएम शिवराज सिंह के पीड़ित दशमत रावत का सम्मान करने के बाद कांग्रेस जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह पीड़ित के घर पहुंचे। जहां उन्होंने पहले गंगाजल छिड़कर दशमत रावत का शुद्धिकरण किया। फिर उनका गंगाजल से मुंह धोया और एक गमछे से मुंह और सिर को साफ भी किया। आखिर में ज्ञान सिंह ने पीड़ित को टीका लगाया। क्या बीजेपी के लिए खतरे की घंटी इस घटना से जहां लोग आक्रोशित हैं, तो वहीं बीजेपी के लिए ये मामला चिंता का विषय बना हुआ है और हो भी क्यों न। दरअसल, एमपी में आदिवासी समाज की आबादी 21 प्रतिशत है और विधानसभा की 47 सुरक्षित सीटें आदिवासियों के लिए है। ऐसे में आंकड़ों के फेर को समझें तो नजर आता है कि जो बीजेपी आदिवासियों के वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी में थी, अब उसको कहीं न कहीं चोट पड़ती हुई नजर आ रही है। कांग्रेस को भी है आस बात अगर कांग्रेस की करें, तो वो इस मुद्दे को बिल्कुल सस्ते में छोड़ने के मूड में नहीं है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि वो जानती है कि राज्य में 47 सुरक्षित आदिवासी सीट हैं और मौजूदा समय में इसमें से 30 उनके पास है और बीजेपी के पास 16 सीट हैं। ऐसे में कांग्रेस इन कुल सीटों पर इस मुद्दे के जरिए अपना परचम लहराना चाहती है। शिवपुरी से भी आया ऐसा ही मामला वहीं, एक मामला शिवपुरी जिले से समाने आया, जहां पर दो युवकों के साथ अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया। आरोप है कि कुछ दिन पहले दो दलित युवकों को पहले तो चप्पलों की माला पहनाई गई और फिर उन्हें मल खिलाकर उनका जुलूस निकाला गया। इस मामले में पुलिस 7 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है और आरोपियों के घर पर बुलडोजर चला दिया गया है। ऐसे में सवाल ये नहीं कि चुनाव के दौरान राज्य के मुख्या या अन्य नेता उस आदिवासी के पैर क्यों धो रहे हैं? बल्कि, इसे प्रतीक के तौर पर ठीक माना जा सकता है। सरकार ऐसे लोगों का सम्मान करती है, तो इससे पता चलता है कि सरकार आखिरी छोर पर बैठे व्यक्ति के बारे में भी विचारनीय है। पर राजनीति से इतर सवाल ये है कि आखिर ऐसा क्या हो गया है कि समाज का नौतिक और चारित्रिक पतन इतना हो गया है? हमारे घर के संस्कार, परिवार द्वारा दी गई अच्छी सीख की क्या गति हो गई है? क्या वे इतने रसातल में पहुंच गए हैं वहीं, सवाल ये भी उठता है कि संस्कृति, धर्म, परिवार और नैतिक मूल की दुहाई देने वाली एक बड़ी पार्टी, जिसका राजनैतिक परिवेश या कहें कि सामाजिक परिवेश आरएसएस जैसे संगठन से जुड़कर के आता है तो फिर ऐसी कौन से संस्कारों की कमी रह गई कि एक मनुष्य दूसरे मनुष्य पर अपनी विष्ठा और मल का त्याग कर रहा है। आखिर वो इस मनोस्थिति तक कैसे पहुंचा या उसकी सोच इस घटिया स्तर पर कैसे पहुंची जाहिर है कि शिवराज सिंह चौहान ने पीड़ित व्यक्ति का सम्मान किया और बताया कि उनकी अंतर आत्मा कितनी दुखी है और इसे स्वीकार भी कर लिया जाए और दुखी होना जायजा भी बनता है और उन्होंने एक अच्छा काम किया। पर सवाल ये है कि भविष्य में इस तरह के कृत्य न हो, इसको लेकर क्या स्थिति है? इस घटना का वीडियो तो सामने आ गया था। यदि वीडियो नहीं आता तो इसके पीछे का काला सच हमें नहीं नजर आता।

गीता प्रेस नहीं होती तो हिन्दी पट्टी के लाखों अभावग्रस्त बच्चे पढ़ नहीं पाते

गीता प्रेस के लेखकों में गांधी, रविंद्र, प्रेमचंद और निराला तक रहे हैं। करपात्री की किताब मार्क्सवाद और रामराज्य भी गीता प्रेस से छपी। गांधी के सुझाव पर ही कल्याण आज तक विज्ञापन नहीं लेता न किताब की समीक्षा प्रकाशित करता। बाद में हनुमान प्रसाद पोद्दार की गांधी के साथ दूरियां बढ़ी। गांधी से मतभेद तो नेहरू के भी थे अंबेडकर के भी थे इससे क्या होता है ? यह भी कारण हो सकता है कि गांधी ने जो गीता पर टीका लिखी थी, उसे गीता प्रेस ने अस्वीकृत कर दिया था। हिन्दी के कुछ वामपंथी आलोचकों, पत्रकारों और जातीय बुद्धिजीवियों के मन में गीता-प्रेस के प्रति जैसी नफ़रत भरी हुई है, उससे लगता है कि उनके पास यदि सत्ता होती तो वे गीता प्रेस पर कभी का बुलडोजर चलवा देते। जबकि हमारा मानना है कि यदि गीता प्रेस जैसा संस्थान/छापाखाना जर्मनी जैसे किसी उन्नत देश में होता तो उसे अब तक राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर दिया जाता। यह दुनिया का संभवतः सबसे बड़ा प्रेस है जिसने अब तक कई सौ करोड़ किताबें प्रकाशित की होंगी। ज्ञान का ऐसा प्रसार अभूतपूर्व है । यह सही है कि गीता प्रेस कोई सुधारवादी संस्था नहीं है। वह यथास्थितिवाद की हिमायती है। वर्णाश्रम और सनातन का प्रचार ही इसका उद्देश्य है। जैसे दुनिया के सभी धर्मों में दकियानूसी विचार पाए जाते हैं वह सनातन और हिंदू धर्म में भी हैं। गीता प्रेस असहमतियां हमारा एतराज गीता प्रेस की आरएसएस से तुलना करने पर था। दोनों की स्थापना आसपास ही हुई, लेकिन दोनों के विचारों में दिन-रात का अंतर है। गीता प्रेस ने सनातन का प्रचार किया लेकिन कभी सांप्रदायिकता की बात नहीं की। गीता प्रेस आरएसएस की तरह अंग्रेज़ परस्त और मुसलमान विरोधी नहीं रही। गीता प्रेस की एक भजनों की किताब में इतने मुसलमान कवि संकलित हैं जितने रामचंद्र शुक्ल की किताब हिंदी साहित्य का इतिहास में भी नहीं हैं ।गीता प्रेस ने कभी हिंदू राष्ट्र की बात नहीं की। गीता प्रेस के विरोधी जिस एक अक्षय मुकुल की अंग्रेज़ी किताब का हवाला दे रहे हैं उसकी मूल अवधारणा ही भ्रामक है। गीता प्रेस ने कभी हिंदू राष्ट्र बनाने की तो छोड़िए, कभी उसकी बात भी नहीं की। किताब का शीर्षक ही ग़लत है। कितनी शर्मनाक बात है कि गीता प्रेस की भूमिका पर हिन्दी के किसी लेखक-पत्रकार ने आज तक कुछ नहीं लिखा। अक्षय मुकुल की किताब कोई सनद नहीं है। गीता प्रेस के लेखकों में गांधी रविंद्र प्रेमचंद निराला तक रहे हैं। करपात्री की किताब मार्क्सवाद और रामराज्य भी गीता प्रेस से छपी। गांधी के सुझाव पर ही कल्याण आज तक विज्ञापन नहीं लेता न किताब की समीक्षा प्रकाशित करता। बाद में हनुमान प्रसाद पोद्दार की गांधी के साथ दूरियां बढ़ी। गांधी से मतभेद तो नेहरू के भी थे अंबेडकर के भी थे इससे क्या होता है ? यह भी कारण हो सकता है कि गांधी ने जो गीता पर टीका लिखी थी, उसे गीता प्रेस ने अस्वीकृत कर दिया था ।यह सही है कि गांधी की हत्या के बाद जिन पांच सौ के करीब लोगों को गिरफ्तार किया गया उनमें भाईजी हनुमान प्रसाद पोद्दार भी थे। लेकिन बाद में वे आरोप मुक्त हुए। क्या कांग्रेस सरकार ने गीता प्रेस पर और भाईजी पर डाक टिकट प्रकाशित नहीं की ? क्या कांग्रेस की सरकार ने हनुमान प्रसाद पोद्दार को भारत रत्न देने की पेशकश नहीं की थी, जिसे हनुमान प्रसाद पोद्दार ने विनम्रतापूर्वक अस्वीकार कर दिया था ? ये तथ्य आपके प्रिय अक्षय मुकुल की किताब में ही दर्ज़ हैं। गीता प्रेस का निर्माण जयदयाल गोयन्दका और हनुमान प्रसाद पोद्दार जैसे मारवाड़ी व्यवसायियों ने न केवल अपना जीवन बल्कि अपने व्यापार को दांव पर लगाकर किया । अपना जीवन होम दिया। गीता प्रेस ने आज तक किसी से कोई चंदा नहीं लिया। करोड़ों रुपए देने की पेशकश होती रहती है लेकिन गीता प्रेस इस मामले में अडिग है। अभी भी उन्होंने गांधी स्मारक पुरस्कार लिया लेकिन एक करोड़ की पुरस्कार राशि के लिए मना कर दिया। ऐसे सैंकड़ों उदाहरण हैं ।गीता प्रेस ने हमारे आर्ष ग्रंथों का प्रकाशन और प्रचार किया वह अभूतपूर्व है। महाभारत गीता प्रेस का सर्वाधिक प्रामाणिक है यह विष्णु खरे का मानना था। विष्णु खरे भी मेरी तरह गीता प्रेस के घोर प्रशंसक थे। रामायण रामचरित मानस और गीता भी सर्वाधिक गीता प्रेस की ही पढ़ी जाती है। गीता प्रेस ने न जाने कितने खोए हुए ग्रंथों का कल्याण किया ।जैसे ताड़न के अधिकारी जैसी एकाध दोहे चौपाई को लेकर रामचरित मानस का विरोध किया जाता है वैसे ही स्त्रियों बच्चों को लेकर गीता प्रेस की कुछ दकियानूसी पुस्तिकाओं को लेकर गीता प्रेस का विरोध किया जा रहा है । स्त्रियों को लेकर ऐसे पिछड़े हुए विचार सभी धर्मों और संप्रदायों में हैं । इसका अध्ययन अलग से किया जाना चाहिए।गीता प्रेस की किताबों ने हिंदी पट्टी के करोड़ों लोगों को पढ़ना सिखाया। पढ़कर ही पता चलेगा कि कोई बात सही है या नहीं ? अनपढ़ तो विचार कर नहीं सकता। आज हिंदी में जितने भी प्रगतिशील जनवादी कवि लेखक आलोचक हैं वे गीता प्रेस की किताबें पढ़कर ही उसकी आलोचना के काबिल हुए हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है।गीता प्रेस ने सनातन का और हिंदू धर्म का प्रचार किया, हिंदुत्व का नहीं। हिंदू धर्म गरीबों और सताए हुए लोगों का धर्म है जबकि हिंदुत्व धनपशुओं का खतरनाक राजनीतिक एजेंडा है। हिंदू धर्म और हिंदुत्व एक नहीं है, जो इसे एक समझने की गलती करते हैं वे ही गीता प्रेस का विरोध कर सकते हैं। यही मूर्खता हो रही है।मुझे गीता प्रेस की एक बाल पोथी की एक कहानी कभी नहीं भूलती । एक स्वतंत्रता सेनानी डाकू और उसका मुस्लिम दोस्त अंग्रेजों की पुलिस से बचते हुए किसी मंदिर में पनाह लेते हैं और भूखे प्यासे हैं । तभी एक वृद्ध स्त्री जल का लोटा और प्रसाद की कटोरी लेकर भगवान को अर्पित करने मंदिर जाती है तो देखती है कि कोई मनुष्य भूखा प्यासा मंदिर में छिपा हुआ है तो वह अपना प्रसाद और जल का लोटा उसे समर्पित कर देती है । तभी गोलियां चलती है और अपने साथी को बचाने के लिए मुस्लिम दोस्त खुद सीने पर गोली खाकर मर जाता है । ऐसी प्रेरणास्पद कहानियां भी गीता प्रेस ने छापी हैं ।सनातन धर्म में स्त्रियों अछूतों के बारे में जो प्रतिगामी विचार हैं वे गीता प्रेस की देन नहीं है। गीता प्रेस कोई सुधारवादी संगठन नहीं है। उसका इसका दावा भी नहीं है। वह यथास्थितिवादी है, इसलिए भाईजी के गांधी से मतभेद हुए। गांधीजी ऐसे स्वप्नजीवी विचारक थे कि उनके अनुयायियों को छोड़कर सब से उनका मतभेद था। इस आधार पर हम किसी निर्णय पर नहीं पहुंचेंगे तो हम सही निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकते और गीता प्रेस के आलोचक गांधी जी के स्त्रियों के बारे में विचारों का अध्ययन करेंगे तो सोच में पड़ जाएंगे लेकिन इससे गांधी की महानता पर कोई फर्क नहीं पड़ता। गीता प्रेस एक असंभव स्वप्न था जो साकार हुआ। सौ बरस से अधिक हो गए। गीता प्रेस हमारी राष्ट्रीय धरोहर है। विश्व का एक अजूबा। प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार भारत में नहीं हुआ लेकिन उसका ऐसा उपयोग किसी देश में नहीं हुआ। इसे इसी तरह देखना चाहिए, तभी आपके ज्ञानचक्षु खुलेंगे।

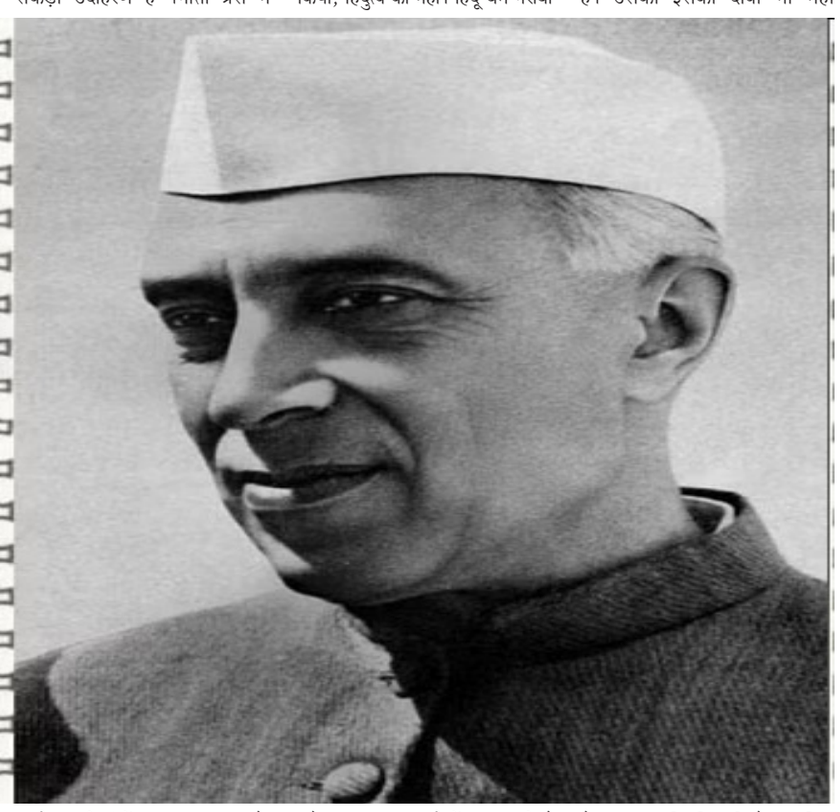

गांधी विचार पर विवाद के बजाय नए सिरे से हो विचार

सर्व सेवा और स्वयं सेवा का अंतर समझे बिना गांधी विचार को समझा नहीं जा सकता। सेवा भाव रहेगा, तभी सरकारें या संस्थाएं चलती रह

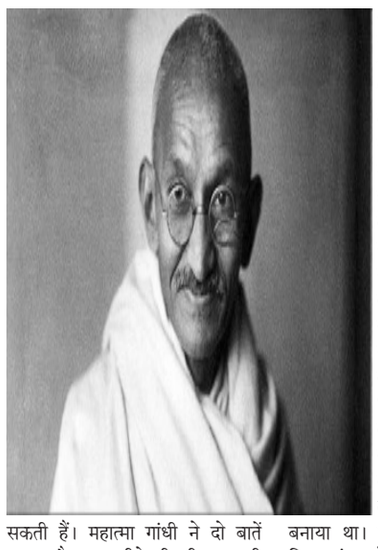

सकती हैं। महात्मा गांधी ने दो बातें साफ तौर पर जीते-जी ही कह दी थीं। एक तो 'मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। इसलिए जो कुछ भी मैंने लिखा या बोला, उसे छोड़ दें। जो मैंने किया, उसे ही ध्यान में रखें।' दूसरा, 'यदि किसी विषय पर मेरे पहले और बाद के वक्तव्यों में अंतर दिखे, तो आखिर में दिए गए को ही मेरा वक्तव्य मानें।' इन दो बातों से हम समझ सकते हैं कि गांधी दूरदर्शिता में कितने प्रगतिशील थे। थोपी गई या उधार ली गई सभ्यता को गांधी जी किसी भी देश के लिए अपनाए जाने लायक नहीं मानते थे। समाज अपनी सभ्यता, अपनी समझ, अपने विवेक और अपने व्यवहार से गढ़ा जाता है। गांधीजन क्या गांधी विचार के इस आधुनिक मॉड्यूल को समझकर आज अपना विकास कर सकते हैं पिछले दिनों गांधी नाम को लेकर दो विवाद सामने आए। दोनों विवादों में गांधी विचार नदारद ही रहे। सर्व सेवा संघ के बनारस परिसर में वर्षों से बंद पड़े गांधी विद्या संस्थान की जमीन हड़पने का आरोप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र पर लगा। सर्व सेवा संघ के कर्मचारी इस संस्थान की भूमि अधिग्रहण के मसले को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। सर्व सेवा संघ को गांधी जी के जाने के बाद विनोबा जी ने बनाया था। गांधी जी चाहते भी थे कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस पार्टी सर्व सेवा संघ का रूप ले। और, गांधी विद्या संस्थान जयप्रकाश नारायण द्वारा बनाई गई संस्था है। रेलवे और सर्व सेवा संघ के बीच वर्षों से बेवजह भूमि विवाद चला आ रहा है। समय के साथ जो नहीं बदलता है, समय उसको बेदखल कर देता है। इन सबके बीच खबर आई कि गीता प्रेस, गोरखपुर को केंद्र सरकार ने गांधी शांति पुरस्कार दे दिया। सरकार के विरोध की बेवजह कोशिश हुई। गीता प्रेस ने एक करोड़ की पुरस्कार राशि ठुकरा दी।

संक्षिप्त समाचार

सेक्टर ५३ में हुआ जल भराव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा मौसम की पहली तेज बारिश करीब आधा घंटा हुई और पहली आधा घटा की बारिश ने ही नोएडा की व्यवस्था की पोल खोल दी है। नोएडा के ज्यादातर सैक्टर व गांव मे पानी भर गया सैक्टर 53 नोएडा मे सी ब्लाक व बी ब्लाक मे दो दो फीट पानी भरा हुआ है नोएडा प्राधिकरण के द्वारा सैक्टर से पानी निकलने की सही व्यवस्था नही की गयी है उधर गाव की साईड से भी पानी सैक्टर के सी ब्लाक मे भर जाता है नोएडा के सर्किल 5 के अधिकारीगण व उच्च अधिकारीगण को बार व्यवस्था के अवगत कराया जाता है व उच्च अधिकारीगण कौ पत्र लिखकर अवगत कराया जाता है यह प्रक्रिया हर साल बरसात के मौसम मे आर डब्लू ए सैक्टर 53 नोएडा के अपनायी जाती है किन्तु वही ढाक के पात् , नोएडा प्राधिकरण केवल बाहरी सडको को साफ कर व गेट , पीली पर पेन्टिंग कर स्वच्छता रैक हासिल करना चाहता है सैक्टरो व गाव की तरफ से आख बन्द करके कोई काम नही कराता है सैक्टर मे छुट्पुट रिपेयरिंग काम करके इतिश्री कर देता है।

नोएडा में आयोजित हुआ गैस इंडिया एक्सपो 2023 और वर्ल्ड गैस समिट 2023 का पहला संस्करण

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा भारत उर्जा की दृष्टि से दुनिया के सबसे तेज़ी से विकसित होते बाज़ारों में से एक है और यूएस एवं चीन के बाद उर्जा एवं तेल के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता के रूप में उभरा है। अपनी उर्जा संबंधी ज़रूरतों के लिए भारत मुख्य रूप से एलएनजी पर निर्भर है तथा दुनिया में एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। भारत का आर्थिक विकास इसकी उर्जा की मांग पर निर्भर करता है, ऐसे में आने वाले समय में तेल एवं गैस की मांग बढ़ने का अनुमान है। इस सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। तेल एवं गैस सेक्टर भारत के आठ मुख्य उद्योगों में से एक है तथा अर्थव्यवस्था से जुड़े सभी मुख्य पहलुओं के लिए निर्णय निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गैस इंडिया एक्सपो 2023 का उद्घाटन आज नोएडा में हुआ, यह अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी गैस के उत्पादन, प्रसंस्करण, रिफाइनिंग, रीफ्यूलिंग, गैस टेक्नोलॉजी, उपकरणों, उत्पादों, निर्माण तकनीकों, प्लांट्स, सेवा प्रदाताओं एवं संबंधित उद्योगों पर ध्यान केन्द्रित करेगी। प्रदर्शनी का आयेजन 6 से 8 जुलाई 2023 के बीच ग्रेटर नोएडा, यूपी, भारत में किया जा रहा है। इसका आयोजन इंडियन ट्रेड फेयर एकेडमी एवं इंडियन एक्ज़ीबिशन सर्विसेज़ द्वारा फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री के सहयोग से किया जा रहा है, इसे भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय का सहयोग प्राप्त है। प्रदर्शनी का उद्घाटन धीरेन्दर सिंह, माननीय एमएलए, जेवर, यूपी, भारत द्वारा किया गया।

राहुल और सोनिया गांधी से मुलाकात की बात को झूठ बता भड़कीं पंकजा मुंडे, बोलीं- कसम खाती हूं

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव पंकजा मुंडे ने एक मीडिया रिपोर्ट में उनकी और सोनिया गांधी की मुलाकात की बात पर कड़ा एतराज जताया है। पंकजा ने कहा कि कुछ दिन पहले एक खबर आई थी कि मैं राहुल गांधी और सोनिया गांधी से दो बार मिली हूं और भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हो रही हूं। ऐसी खबरें बिल्कुल झूठी हैं। पंकजा ने कहा कि मैं कसम खाती हूं कि मैंने किसी से मुलाकात नहीं की।

गायत्री महादीप यज्ञ का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। नोएडा मनुष्य में देवत्व का उदय धरती पर स्वर्ग के अवतरण हेतु परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा

आचार्य एवं परम बंदनीय माता भगवती देवी शर्मा शान्तिकुञ्ज हरिद्वार के सूक्ष्म सरंक्षण में समृद्धि सोसाइटी के परिसर में दिनांक 2 जुलाई को गायत्री महा दीप यज्ञ का आयोजित किया गया।पुरा परिसर संगीतमय गायत्री महा मंत्र के मुग्ध कर देने वाले ध्वनि से पूर्ण था इस कार्यक्रम में समृद्धि ग्रांड एवेन्यू और अन्य सोसाइटी के लोग सम्मलित हुएइस आयोजन में इग्यारह सौ घी के दीप को प्रज्वलित कर 251 गायत्री मंत्र का जाम हुआ, पूरा परिसर संगीतमय था, सभी आनंदित हुए। कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में बालरूप शर्मा व्यवस्थापक गायत्री चेतना केंद्र नोएडा उपस्थिति रहे। कार्यक्रम को पूर्ण कराने में डॉ रेखा प्रांतीय सम्यवक (एनसीआर, हरियाणा) शांतिकुंज हरिद्वार का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के आयोजक के रुप में प्रदीप द्विवेदी और श्रद्धा द्विवेदी एवम् सतीश शर्मा और वर्षा शर्मा थे । संयोजक के रूप में गिरीश शुक्ला, रजत अग्रवाल, अजय तिवारी, पवन तिवारी, महेंद्र पांडेय, मनीष चित्रांश इत्यादि थे।

सच के आगे सत्ता का अहंकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। राहुल गांधी को गुजरात हाई कोर्ट से राहत न मिलने के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का भी बयान सामने आया है। प्रियंका ने अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अहंकारी सत्ता चाहती है कि हम सत्ता से सवाल न करें, लेकिन हम करते रहेंगे। प्रियंका ने ट्विटर पर किए एक लंबे पोस्ट में कहा कि सच को बाहर लाने के लिए राहुल हर कीमत चुकाने को तैयार हैं और तमाम हमलों व अहंकारी भाजपा सरकार के हथकंडों के बावजूद एक सच्चे देशप्रेमी की तरह जनता से जुड़े सवालों को उठाने से पीछे नहीं हटे हैं। जनता का दर्द बांटने के कर्तव्य पथ पर डटे हुए हैं और डटे रहेंगे।

राहुल गांधी को नियंत्रित क्यों नहीं कर सकते

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मोदी सरनेम से जुड़े मानहानि के मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया है। राहुल गांधी को अदालत से लगे झटके के बाद बीजेपी नेता कांग्रेस पर हमलावर हो गए हैं। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता कर राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेताओं से पूछा कि वह राहुल गांधी को नियंत्रित क्यों नहीं कर सकते? आप उन्हें ठीक से बोलने के लिए प्रशिक्षित क्यों नहीं कर सकते? वह आपके नेता हैं। अगर उन्होंने इस मामले में माफी मांग ली होती तो ये मामला खत्म हो गया होता। रविशंकर ने आगे कहा कि प्रसिद्ध नेताओं और संगठनों को गाली देना, बदनाम करना और लगभग सबसे खराब तरह की गालियां देना राहुल गांधी की पुरानी आदत बन गई है। बीजेपी नेता ने ये भी कहा, 'राहुल गांधी ने 2019 के चुनाव में एक टिप्पणी की थी कि सारे चोरों के सरनेम मोदी क्यों होते हैं। देशभर में मोदी सरनेम अधिकांश पिछड़ों और अति पिछड़ों का होता है। ये घोर रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी थी। निचली अदालत ने उन्हें दो साल की सजा दी, जिसके खिलाफ वह सेशन कोर्ट गए। सेशन कोर्ट ने उन्हें बेल तो दे दी लेकिन दोषसिद्धि को स्टे नहीं किया।' बीजेपी ने कहा कि राहुल गांधी होमवर्क नहीं करते हैं। आज का फैसला स्वागत योग्य है। राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। रविशंकर ने कहा कि राहुल गांधी के मानहानि केस में पूरे आचरण को भी नोटिस किया गया है। कोर्ट ने कहा राहुल के खिलाफ कम से कम 10 केस हैं। वीर सावरकर के पोते ने भी उनकी टिप्पणी को लेकर केस किया है। ओबीसी का अपमान करना कांग्रेस की फितरत है। राहुल का अहंकार, लोगों की बेइज्जती, अपमान करने की चाहत उनकी समस्या का कारण है।

विशेषज्ञ द्वारा हार्टफुलनेस वर्कशाप का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। स्थित जीएल बजाज इन्स्टीट्यूट आफ मैनेजमेण्ट एण्ड रिसर्च के पीजीडीएम विभाग में ठकारपोरेट एक्सपेक्टेशन्स एण्ड इनसाइट्स फार एसपायरिंग मैनेजर्सठ विषय पर चल रहे दीक्षारम्भ समारोह के 7वे दिन वर्तमान सत्र के आगुन्तक प्रबन्धन छात्रों को संस्थान की प्रगति एवं शैक्षणिक व्यवस्था की जानकारी के साथ-साथ कारपोरेट जगत की बारीकियों एवं व्यावहारिक अनुभवों से परिचित कराया गया।आज के सत्र में जीएल बजाज एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के वरिष्ठ अधिकारी जीएलबीआईएमआर की निदेशिका डॉ0 सपना राकेश एवं गणमान्य अतिथिगण भी शामिल हुए। विभाग की निदेशक डॉ0 सपना राकेश ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रबन्धन शिक्षा का उद्देश्य डिग्री या सर्टिफिकेट लेकर मात्र नौकरी पाना ही नहीं होना चाहिए बल्कि समाज के उत्थान में भागीदारिता भी लेनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को उनके व्यावसायिक एवं व्यावहारिक जीवन में सफलता हेतु पीजीडीएम कोर्स के दौरान पाठ्यक्रम और समय-समय पर दिये जाने वाले कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने छात्रों को जीवन में सफल होने के गुर बताते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी। अंत में छात्रों के लिए हर्टफुलनेस मेडिटेशन वर्कशाप का आयोजन किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध मेडिटेशन ट्रेनर जस कमलजीत सिंह भुई एवं आर0 के0 गुप्ता और उनकी टीम ने छात्रों को मानसिक संतुलन में उपयोगी योगा एवं ध्यान के बारें में बताया। आल इन फेमिली सत्र में छात्रों का संस्थान के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों से परिचय कराया गया।

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को झटका

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मोदी सरनेम मामले में गुजरात हाईकोर्ट से राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि राहुल गांधी ने सूरत की अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी, लेकिन न्यायालय ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया है। राहुल ने हाईकोर्ट से कसूरवार ठहराए जाने के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी। वहीं दूसरी तरफ भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट का आदेश सभी को मानना चाहिए। यह वास्तविक अर्थों में सत्यमेव जयते है...'। गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा 'मोदी उपनाम' टिप्पणी के खिलाफ मानहानि मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने से इनकार करने वाले सत्र न्यायालय के आदेश को बरकरार रखने के बाद भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने ्घ् को अपना बयान दिया। भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने मोदी सरनेम पर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी करने का आरोप लगा है। आरोप है कि 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में एक रैली के दौरान मोदी सरनेम पर विवादित बयान दिया था। राहुल ने कहा था कि कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी क्यों है? बीजेपी नेता पूर्णेश मोदी ने राहुल के बयान को लेकर सूरत की अदालत में केस दर्ज कराया था, जिसके बाद कार्रवाई की गई थी।

शराबबंदी से लेकर भ्रष्टाचार तक बघेल सरकार पर जमकर बरसे पीएम मोदी: पढ़ें भाषण की १० बड़ी बातें

(आधुनिक समाचार सेवा)

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में भारतीय जनता पार्टी की विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने शराब बंदी से लेकर भ्रष्टाचार और गारंटी तक, कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जो वादे जनता से किए थे, उन्हें पूरे नहीं किए। इससे पहले, पीएम मोदी ने रायपुर में 7600 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सीएम भूपेश बघेल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण और बहुत बड़ा है। आज छत्तीसगढ़ को 7,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उपहार मिल रहा है।ये उपहार इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए है, कनेक्टिविटी के लिए है। ये उपहार छत्तीसगढ़ के लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए है, यहां की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए है। पिछले 9 वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ के धान किसानों को 1 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक दिए हैं। इस साल भी यहां के धान किसानों को 22 करोड़ रुपये से अधिक दिए गए हैं। ये भाजपा ही है, जो किसानों की मेहनत को समझती है और उनके लिए काम कर रही है, जबकि कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ किसानों को धोखा दे रही है और उनसे झूठ बोल रही है। अपने कुशासन और भ्रष्टाचार के दाग को कांग्रेस अब झूठी गारंटियों से छिपाने की कोशिश कर रही है। आपको ऐसी झूठी गारंटियों से बहुत सतर्क और सावधान रहने की ज़रूरत है। ये भाजपा है, जो असली गारंटी देती है और जो वादा करती है, उसे पूरा करके दिखाती है। जिनके दामन दागदार हैं, वे आज एक साथ आने की कोशिश कर रहे हैं। जो एक-दूसरे को पानी पी-पीकर कोसते थे, वे आज साथ आने के बहाने खोजने लगे हैं।

गुजरात हाईकोर्ट से राहुल गांधी को झटका, कांग्रेस बोली- न्याय नहीं हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मोदी सरनेम को लेकर विवादित टिप्पणी के मामले में गुजरात हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झटका लगा है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट के फैसले पर कांग्रेस नेताओं की तरफ से प्रतिक्रिया आ रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने फैसले पर निराशा जाहिर की है। कांग्रेस ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का भी फैसला किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि मानहानि मामले में राहुल गांधी की याचिका खारिज करने के फैसले को हम सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। कर्नाटक के डिप्टी सीएम और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने हाईकोर्ट के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि न्याय नहीं हुई है। शिवकुमार ने आगे कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है। फिर भी, पूरा देश और विपक्षी दल राहुल गांधी के साथ खड़े हैं। राहुल एक महान नेता हैं जो पूरे देश को एकजुट करने के लिए लड़ रहे हैं। भाजपा इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। उधर, राहुल गांधी के खिलाफ आए फैसले से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी है। दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर के बाहर पार्टी कार्यकर्ता जुटे हैं। हाईकोर्ट का फैसला आते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में निराशा छा गई। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस दफ्तर के बाहर नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक ने अपने फैसले में कहा कि राहुल पहले से ही देशभर में 10 आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। न्यायमूर्ति ने ये भी कहा कि राहुल को दोषी ठहराने के लिए निचली अदालत का आदेश उचित और कानूनी था। निचली अदालत के फैसले में कुछ बदलने लायक नहीं है।

क्या राज ठाकरे और उद्धव आने वाले हैं साथ संजय राउत के बयान से लगने लगे कयास

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। एनसीपी से अजित पवार की बगावत के बाद से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल मची हुई है। इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) नेता संजय राउत के राज ठाकरे को लेकर एक बयान से भी नए कयास लगने लगे हैं। दरअसल, राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे भाई-भाई हैं और उनको किसी मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। अजित पवार की शरद पवार की उम्र पर कटाक्ष पर राउत ने कहा कि शरद पवार हमेशा हमें प्रेरित करते हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे 84-86 वर्ष के थे, हमें हमेशा उनसे प्रेरणा और ताकत मिलती रही। राउत ने कहा कि अजित पवार के कारण ही शिंदे गुट ने शिवसेना छोड़ी और अब एक-दूसरे के साथ आ गए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे और उनके 40 चोर कह रहे हैं कि वे हमारे साथ हैं, लेकिन यह सब दिखावा है।

09 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर स्टंट में प्रयुक्त 03 वाहनों को किया गया सीज

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। सोशल मीडिया पर मनी यादव के सम्बन्ध में वॉयरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए थाना को0शहर पर अभियोग पंजीकृत कर त्वरित कार्यवाही करते हुए — ज्ञातव्य हो कि गैंगेस्टर अधिनियम के अभियुक्त प्रवीण कुमार यादव उर्फ मनी यादव पुत्र अभय यादव निवासी विसुन्दरपुर थाना को0शहर जनपद मीरजापुर द्वारा जमानत पर जेल से छूटने के बाद अपने दोस्तों के साथ वाहनों का काफिला लेकर साथियों संग हाइवे पर नारेबाजी करते हुए आवागमन को बाधित किया गया था । उक्त के सम्बन्ध में सोशल मीडिया पर वॉयरल वीडियों का पुलिस अधीक्षक मीरजापुर ङ्कसंतोष कुमार मिश्राङ्क द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए थाना को0शहर पर मु0अ0सं0-75/2023 धारा 143,188,341 भादवि पंजीकृत कराते हुए नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रारम्भ करायी गयी । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर ङ्कसंतोष कुमार मिश्राङ्क द्वारा जनपद में लागू धारा-144 दं0प्र0सं0 का उल्लंघन तथा वॉयरल वीडियों को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन कर यथाशीघ्र अभियुक्तों की गिरफ्तारी करते हुए वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः04.07.2023 को क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए जनपद में लागू धारा-144 दं0प्र0सं0 व अन्य विधि नियमों का उल्लंघन करने वाले तथा वाहनों के काफिले के साथ आवागमन अवरूद्ध करने के उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित 09 नफर अभियुक्तों 1.हर्ष तिवारी, 2.प्राशू यादव, 3.दीपक मौर्या, 4.आयुष यादव, 5.प्रदीप यादव, 6.ओमप्रकाश सोनकर, 7.अभिषेक मिश्रा, 8.अतुल यादव उर्फ लवकुश व 9.बालअपचारी को गिरफ्तार किया गया तथा स्टंट में प्रयुक्त 03 अदद वाहनों को बरामद करते हुए अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज किया गया । गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । नाम पता गिरफ्तार अभियुक्तगण —1.हर्ष तिवारी पुत्र अवधेश तिवारी निवासी बेलतर बेलखरिया थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर, उम्र करीब 22 वर्ष ।2.प्राशू यादव पुत्र स्व0विषेश्वर यादव निवासी शुक्लहा थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर, उम्र करीब-21 वर्ष । 3.दीपक मौर्या पुत्र प्रेमनारायण मौर्या निवासी लल्ला घाट थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर, उम्र करीब-25 वर्ष ।

प्रोजेक्ट मिलन के तहत परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को मिली बड़ी सफलता

काउंसिलिंग के माध्यम से 04 बिछड़े दम्पत्तियों को मिलाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में जनपद में चलायें जा रहे प्रोजेक्ट मिलन में महिला परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को बड़ी सफलता मिली है । आज दिनांकः02.07.2023 को जनपद मीरजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 04 बिछड़े दम्पत्तियों को परिवार परामर्श केन्द्र में हुयी काउन्सिलिंग के माध्यम से एक साथ रहने हेतु राजी कर लिया गया । उक्त विवाहित दम्पत्ति विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे। परिवार परामर्श केन्द्र, मीरजापुर में प्रोजेक्ट मिलन काउंसिलिंग में होने वाली समस्त कार्यवाही के दौरान परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी म0उ0नि0 शशि तिवारी तथा सदस्यगण श्रीमती पर्वती पाण्डेय, श्रीमती निर्मला राय, डा0कृष्णा सिंह,श्री प्रकाश गुप्ता आदि उपस्थित रहे पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा पुलिस लाइन मीरजापुर में निर्माणाधीन बैरक तथा उ-8 आवासीय बिल्डिंग का किया गया निरीक्षण, सम्बन्धित को जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने का दिया गया निर्देश आज दिनांकः02.07.2023 को पुलिस अधीक्षक मीरजापुर ङ्कसंतोष कुमार मिश्राङ्क द्वारा पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों हेतु निर्माणाधीन बैरक का भ्रमण/निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की समीक्षा की गयी तत्पश्चात् निर्माणाधीन उ-8 आवासीय बिल्डिंग का भ्रमण/निरीक्षण कर जायजा लिया गया तथा सम्बन्धित को निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया । उक्त भ्रमण/निरीक्षण के दौरान प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन मीरजापुर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें ।

अनियंत्रित हो कर रोडवेज ने ऑटो को पीछे से मारी टक्कर। एक की मौत, दर्जनों लोग हुए घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के रावर्ट्सगंज कोतवाली अन्तर्गत सुकृत पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम सभा बट् के पास वाराणसी

शक्तिनगर मार्ग पर रावर्ट्सगंज की तरफ से आ रही रोडवेज ने सुकृत की तरफ जा रही आटो में पीछे से टक्कर मारी दी। इस घटना में मौके पर ही एक मौत हो गई जबकि दर्जनों घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस। इस घटना में दर्जनों लोग गाड़ी में ही फंस गए जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया और एंबुलेंस और प्राइवेट वाहनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मधुपुर ले जाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस हादसे में एक की मौत और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं कुछ लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया तो वहीं कुछ लोगों को ट्रामा सेंटर के लिए रेफर किया गया है। इस हादसे में बीबी देवी निवासी बंतरा उम्र लगभग 28 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। इस भीषण हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा हत्या से सम्बन्धित प्रकरण में एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। शंखू कुमार पुत्र स्व0 अशर्फी भुईया निवासी ग्राम पतरिहा थाना विण्ढमगंज द्वारा थाना विण्ढमगंज पर लिखित सूचना दिया गया कि प्रवीण उर्फ परवीन बियार पुत्र शम्भू बियार निवासी महुआ टोला पतरिहा थाना विण्ढमगंज सोनभद्र द्वारा उनकी मां का गला दबाकर हत्या कर दिया गया है। उक्त तहरीर के आधार पर थाना विण्ढमगंज पर मु0अ0सं0-53/2023 धारा 302 भादवि व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया । उक्त घटना में संलिप्त अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी के नेतृत्व थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा आज दिनांक-03.07.2023 को घटना में संलिप्त अभियुक्त प्रवीण उर्फ परवीन बियार पुत्र शम्भू बियार निवासी महुआ टोला पतरिहा थाना विण्ढमगंज सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है । **गिरफ्तार अभियुक्त-** 1. प्रवीण उर्फ परवीन बियार पुत्र शम्भू बियार निवासी महुआ टोला पतरिहा थाना विण्ढमगंज सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-** 1. थानाध्यक्ष अरविन्द कुमार गुप्ता, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र । 2. हे0का0 अजय यादव, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र । 3. का0 रोहित यादव, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र ।

पतरिहा में हुए मर्डर का पुलिस ने किया खुलासा,आरोपी को किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। शराब को लेकर हुए विवाद में हत्या करने का आरोपी ने किया कबूल विंढमगंज सोनभद्र थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीते रविवार को सुबह पतरीहा गांव में सड़क के किनारे खेत में लखपतिया देवी उम्र लगभग

46 साल पत्नी स्वर्गीय अशरफी का शव मिला था। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने छानबीन कर घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित भी करके ले गए थे। मृतक महिला के मौत का खुलासा करने के लिए मृतिका का पुत्र शंखु कुमार के प्रार्थना पत्र के आधार पर स्थानीय पुलिस क्षेत्राधिकारी दुध्दि के कुशल नेतृत्व में आज आरोपी प्रवीण उर्फ परवीन बियार पुत्र शंभू बियार निवासी महुआ टोला पतरीहा को गिरफ्तार कर लिया, तथा उसके पास से महिला का मोबाइल भी बरामद किया। आरोपी को धारा 302, 3(2) 5 एससी एसटी के तहत मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय भेजा गया। बीते रविवार को घर से लगभग 100 मीटर दूर एक खेत में मृत अवस्था में पड़ी लखपतिया देवी के शव की खबर पर पूरे गांव में के ग्रामीण पहुंच गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार गुप्ता ने मौके की हालात को देख उच्च अधिकारियों को अवगत कराया तत्पश्चात जिले से पहुंची फॉरेंसिक टीम ने छानबीन कर घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित करके ले गए थे। मृतिका का पुत्र शंखु कुमार ने थाने में दिए प्रार्थना पत्र में यह जिक्र किया था कि शनिवार की शाम को मेरी मां को प्रवीण बियार पुत्र शंभू बियार ने अपने साथ लेकर के गया था तब से ही मेरी मां घर वापस नहीं लौटी। रात्रि को पास पड़ोस के घरों में भी पता लगाया परंतु पता नहीं चला। सुबह मौत की घटना की खबर सुना। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रवीण ने ही मेरी मां को मारपीट करने के बाद गला दबाकर मार डाला है। मौत के कारणों व आरोपी का खुलासा करने के लिए दबिश दे रही पुलिस ने आज सुबह महुली तिराहे के पास से उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा उसके पास से मृतक लखपतिया का मोबाइल भी बरामद किया गया। आरोपी के द्वारा बताया गया कि शराब के लिए विवाद होने के बाद इस तरह की घटना कि जुर्म कबूल करने के बाद उसे सुसंगत धाराओं में मुकदमा करते हुए न्यायालय को भेज दिया गया।

श्रावण मास/कांवड़ यात्रा तथा शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत जिलाधिकारी सोनभद्र व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा तहसील परिसर घोरावल सोनभद्र में जनपद के धर्मगुरुओं के साथ की गयी संगोष्ठी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। घोरावल शिवद्वार मंदिर का भ्रमण कर सम्बन्धित को दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश- जिलाधिकारी सोनभद्र चन्द्रविजय सिंह तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह

द्वारा श्रावण मास के दृष्टिगत तहसील परिसर घोरावल सोनभद्र में जनपद के विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं तथा सम्भ्रान्त व्यक्तियों के साथ शान्ति समिति की बैठक आयोजित की गयी । इस दौरान अधिकारीगण द्वारा बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं से वार्ता कर शासन के निर्देशानुसार कावड़ यात्रा के दौरान शान्ति व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द को कायम रखने तथा अराजक तत्वों के सम्बंध में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गयी । इसके साथ ही अधिकारीगण द्वारा धर्मगुरुओं से त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी तथा इस सम्बंध में आवश्यक कार्रवाई हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया । इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि कावड़ यात्रा के दौरान सड़क किनारे स्थित मांस एवं मदिरा की दुकानें प्रतिबंधित रहेंगी । इसके अतिरिक्त पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर निरन्तर पैनी नजर रखी जा रही है तथा भड़काऊ पोस्ट, बयान/वीडियो आदि जारी करने वाले शरारती तत्वों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जायेगी । तत्पश्चात थाना घोरावल क्षेत्रान्तर्गत शिवद्वार मन्दिर में जिलाधिकारी सोनभद्र चन्द्रविजय सिंह तथा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा मन्दिर के पुजारियों तथा आयोजकों के साथ वार्ता की गयी । इस दौरान सावन मास में श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक हेतु रुट, व्यवस्थाओं तथा तैयारियों का जायजा लेते हुए सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । इस मौके पर अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, उप जिलाधिकारी घोरावल, क्षेत्राधिकारी घोरावल सोनभद्र सहित अन्य अधिकारी, धर्मगुरु तथा सम्भ्रान्त व्यक्ति मौजूद रहे ।

भोपाल में आयोजित विश्व के विभिन्न देशों जी-20 कें सी -20 सेवा समिति में दुद्धी कें राजनंदिनी बतौर प्रतिनिधि हुई सम्मिलित

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। दुद्धी सोनभद्र की धरा की खुशबू मध्य प्रदेश राज्य की राजधानी भोपाल में आयोजित जी - 20 जहां विश्व के विभिन्न देश भारत,अर्जेंटीना,

ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन , फ्रांस, जर्मनी,इंडोनेशिया, इटली , जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की ए, यूनाइटेड किंग्डम, और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल शैक्षिक स्तर को ऊंचाइयों पर ले जाने व रिसर्च इनोवेशन आदि क्षेत्रों में कार्य के लिए विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल के बीच श्री विनय सहस्त्रबुद्धे , निवेदिता, महाप्रभु गौरांग, भारतार्षाभा विद्वत जनों के बीच सम्मिलित होने का सौभाग्य दुद्धी कें राजनंदिनी को प्राप्त हुआ त् युवा भारत अपने गौरवशाली अतीत को पुनर्स्थापित करने के लिए जगत गुरु के रूप में विश्व का मार्ग द्रष्टाबन अष्टांग एवं पंचशील सिद्धांतों व विज्ञान,तकनीकी क्षेत्रों के दम पर विश्व में आर्थिक महाशक्ति के रूप में समावेशी विचारधारा के तहत कार्य कर रही है त् ऐसे जी - 20 सम्मेलन में दुद्धी के बेटी की अनुपस्थिति से परिजनों एवं नगर वासियों में खुशी देखी जा रही ।

दुद्धी तहसील के अंतर्गत भूमि विवाद चरम पर - माले

(आधुनिक समाचार सेवा)

दुद्धी/ सोनभद्र। तहसील क्षेत्र के बभनी थाना के अंतर्गत झोझवा में भूमि विवाद में फर्जी मुकदमे लगाए गए है इसे तत्काल पुलिस प्रशासन रोक लगाए और बभनी के सालेनाग में फर्जी जमीन नीलाम हुई है इसे उच्च स्तरीय जांच कराकर उचित न्याय दिया जाना चाहिए।इस तरह से दुद्धी से सटे शाहपुर गांव में आदिवासियों के घर को जांच कर फर्जी नाम वापस लिया जाना चाहिए ,इसी तरह पूरे तहसील के अंतर्गत व्यापत समस्यायों को तहसीलदार व एसडीएम रोक लगाए नही तो आंदोलन तेज किया जाएगा। धरना को संबोधित करते हुए ,भाकपा माला के राज्य सचिव सुधाकर यादव कहा कि दुद्धी तहसील के अंतर्गत व्यापत आदिवासियों की समस्यायों को दुद्धी प्रसाशन गंभीरता से नही लिया तो धारावाहिक आंदोलन चलाया जाएगा । उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में गरीब आदिवासियों की जमीन लगातार छीन रही है , यह अ लोकतांत्रिक इस सरकार के द्वारा किया जा रहा है । सभा को संबोधित करते हुए भाजपा वाले सचिव सुरेश कोल ने कहा किनीस इलाके में दवा पानी के अभाव में आदिवासी गरीब दम तोड़ रहे हैं प्रशासन मौन है । धरने की अध्यक्षता धनेश्वर गोंड ने किया इस मौके पर रामचन्द्र ,रामशरण ,रामकिशुन गोड ,हीरामणि देवी , राजमती देवी ,रामजीत भुइयां ,अनिल कुमार ,राजकुमार , शिवकुमार शुक्ला ,शंभु नाथ कौशिक ,नारद मुनि ,शंकर खरवार मौजूद रहे। संचालन लाल सिंह खरवार ने किया।धरना उपरांत विभिन्न मांगों को लेकर 7 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी के ज्ञापन तहसीलदार ब्रजेश कुमार वर्मा को सौंपा ।

सर्प के काटने से 11वर्षीय बालक की हुई मौत, मचा कोहराम

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। दुद्धी/सोनभद्र।कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कटौधी गांव में आज सुबह शौच के लिए गए 11 वर्षीय बालक मनराज पुत्र हरिनारायण को जहरीले सांप ने डस लिया जिससे बालक ने घर पर आकर बताया कि पैर में कुछ कांटा सा चुप गया है जिससे दर्द हो रहा है परिजनों ने लापरवाही बरतते हुए सोचा कि कोई कांटा लगा होगा थोड़ी देर बाद ठीक हो जाएगा लेकिन हालत बिगड़ने लगी और लगभग 7:30 बजे बालक ने दम तोड़ दिया सूचना ग्राम प्रधान को दी गई ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शोभनाथ ने बालक की मौत की जानकारी पुलिस प्रशासन को दिया ,सूचना पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पंचनामा कर पीएम हेतु सामुदायिक स्वास्थ केंद्र भेजवा दिया गया । पीएम उपरान्त शव को दफनाया गया।आगामी लोकसभा और कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे, पी. नड्डा द्वारा झारखण्ड, पंजाब, आंध्र प्रदेश व तेलंगाना राज्य के प्रदेश अध्यक्षों की मनोनयन पर हर्ष व्यक्त किया है और आशा जताया कि विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में पार्टी को इसका लाभ मिलेगा।

25000,के इनामिया सेवानिवृत्त एआरटीओ एव चालक शरदाता सह अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। पुलिस द्वारा थानों में एआरटीओ द्वारा निरुद्ध वाहनों की अवमुक्ति हेतु फर्जी रिलीज आर्डर तैयार कर वाहन स्वामियों/चालकों को प्रदान करने वाले संगठित गिरोह के मुखिया रु0- 25000 के इनामिया सेवानिवृत्त एआरटीओ एवं उनका चालक शरणदाता सह अभियुक्त गिरफ्तार तथा एक स्विफ्ट कार, रुपये एक लाख चालिस हजार नगद व 05 मोबाइल मय राउटर बरामद- डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा वांछित/पुरस्कार घोषित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) सोनभद्र के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के पर्यवेक्षण में एसओजी/सर्विलांस व थाना म्योरपुर की संयुक्त टीम द्वारा सटीक/अचूक अभिसूचना संकलित कर एआरटीओ के फर्जी रिलीज आर्डर पर अवमुक्त हुए वाहनों के सम्बन्ध में जनपद के थाना म्योरपुर, चोपन, बभनी, हाथीनाला व विण्ढमगंज पर पंजीकृत अभियोगों के वांछित मुख्य अभियुक्त तत्कालीन एआरटीओ प्रवीण शंकर राय तथा शरणदाता सह अभियुक्त चालक त्रिलोकी नाथ पाण्डेय की दिनांक 02.07.2023 को समय 18.30 बजे पंडितपुर मोहन सराय वाराणसी स्थित अभियुक्त प्रवीण शंकर राय के फार्म हाउस से गिरफ्तारी की गयी तथा उनके कब्जे से एक वाहन स्विफ्ट डिजायर एक लाख चालीस हजार रुपये नगद तथा पांच अदद मोबाइल फोन व एक अदद राउटर बरामद हुए प्रकरण- थानों में निरुद्ध वाहनों के निस्तारण सम्बन्धी शासन के अभियान के क्रम में आरटीओ मीरजापुर द्वारा बार-बार निर्देशित किये जाने पर एआरटीओ कार्यालय सोनभद्र द्वारा जांच कराकर तत्कालीन एआरटीओ श्री प्रवीण शंकर राय द्वारा एआरटीओ के फर्जी रिलीज आर्डर पर जनपद के विभिन्न थानों से अवमुक्त हुए कुल 57 वाहनों के स्वामियों/चालकों के विरुद्ध कुल 05 अभियोग पंजीकृत कराये गये थे विवेचना से यह प्रमाणित हुआ कि तत्कालीन उपरोक्त के क्रम में पूर्व में कुछ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है, मुख्य अभियुक्त तत्कालीन एआरटीओ प्रवीण शंकर राय की गिरफ्तारी हेतु प्रयासरत रहते हुए धारा 82 सीआरपीसी की

एआरटीओ श्री प्रवीण शंकर राय एवं प्रवर्तन लिपिक विनोद श्रीवास्तव द्वारा एआरटीओ कार्यालय में प्राइवेट रुप से काम करने वाले व्यक्तियों व दलालों एवं वाहन पासरों का एक संगठित गिरोह बनाकर अपने उपभोग के लिए अवैध धानार्जन हेतु वाहन स्वामियों से निर्धारित राशि प्राप्त कर विभाग की वेबसाइड पर आनलाइन फीड न करके फर्जी रिलीज आर्डर प्रदान कर देते थे जो असली जैसा दिखता था । कार्यवाही के उपरान्त थाना म्योरपुर पर धारा 174ए भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा रुपये 25000 का इनाम घोषित किया गया **गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-** 1. प्रवीण शंकर राय पुत्र स्व0 धर्मदेव राय निवासी ग्राम सोहाव थाना नरही जनपद बलिया, हाल पता- फ्लैट नं0-208 दयाल टावर दुर्गाकुण्ड, थाना भेलूपुर जनपद वाराणसी (सेवानिवृत) तत्कालीन सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन द्वितीय जनपद सनभद्र (मुख्य आरोपी) उम्र लगभग 61 वर्ष। 2. त्रिलोकी नाथ पाण्डेय पुत्र दीनानाथ पाण्डेय निवासी कल्यानपुर थाना सारनाथ जनपद वाराणसी उम्र लगभग 43 वर्ष **आपराधिक इतिहास- अभियुक्त प्रवीण शंकर राय का आपराधिक इतिहास-** 01. मु0अ0सं0- 26/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भादवि थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र। 02. मु0अ0सं0- 72/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भादवि थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र। 03. मु0अ0सं0- 75/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भादवि थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 04. मु0अ0सं0- 101/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी/216 भादवि थाना बभनी जनपद सोनभद्र। 05. मु0अ0सं0- 180/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी भादवि थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 06. मु0अ0सं0- 51/2023 धारा 174ए भादवि थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र **अभियुक्त त्रिलोकी नाथ पाण्डेय का आपराधिक इतिहास** 01. मु0अ0सं0- 26/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी/216 भादवि थाना हाथीनाला जनपद सोनभद्र। 02. मु0अ0सं0- 72/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी/216 भादवि थाना विण्ढमगंज जनपद सोनभद्र। 03. मु0अ0सं0- 75/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी/216 भादवि थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 04. मु0अ0सं0- 101/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी/216 भादवि थाना बभनी जनपद सोनभद्र। 05. मु0अ0सं0- 180/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 409, 120बी/216 भादवि थाना चोपन जनपद सोनभद्र। **बरामदगी का विवरण-** 1. एक वाहन स्विफ्ट डिजायर यू0पी0 65 बी0एन0 7938 । 2. एक लाख चालीस हजार रुपये नगद । 3. पांच अदद मोबाइल फोन व एक अदद राउटर। **गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम -** 1. प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र । 2. निरीक्षक राजेश सिंह, प्रभारी सर्विलांस सेल, जनपद सोनभद्र । 3. निरीक्षक शेषनाथ पाल प्रभारी एसओजी जनपद सोनभद्र । 4. उ0नि0 बृजेश कुमार पाण्डेय, चौकी प्रभारी लिलासी, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र । 5. मुख्य आरक्षी जगदीश मौर्या, मुख्य आरक्षी अतुल सिंह, मुख्य आरक्षी अमर सिंह, मुख्य आरक्षी शशि प्रताप सिंह, आरक्षी रितेश सिंह पटेल, आरक्षी अजीत यादव एसओजी टीम जनपद सोनभद्र । 6. मुख्य आरक्षी सौरभ राय, मुख्य आरक्षी प्रकाश सिंह, मुख्य आरक्षी अमित सिंह, सर्विलांस सेल जनपद सोनभद्र। 7. मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार, आरक्षी चालक सुधाकर सिंह थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र।

आर्यन ने तैराकी में जीते 4 गोल्ड गुजरात को 63 साल में पहली बार मेडल

(आधुनिक समाचार सेवा)

अहमदाबाद। हैदराबाद में संपन्न राष्ट्रीय तैराकी स्पर्धा 2023 में गुजरात के तैराक आर्यन नेहरा ने

4 गोल्ड मेडल जीतकर गुजरात को 63 साल में तैराकी में पहली बार गोल्ड मेडल दिलाया। 19 साल के आर्यन नेहरा ने 400 मीटर, 800 मीटर, 15 मीटर फ्रीस्टाइल में लगातार तीन दिन गोल्ड मेडल जीता।इसके अलावा 400 मीटर व्यक्तिगत तैराकी स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड से 5 सेकंड कम लेते हुए एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। तैराक रेहान पोंचा ने 2009 में 400 मीटर व्यक्तिगत तैराकी में 4: 30:13 मिनट का रिकॉर्ड कायम किया था। आर्यन ने 4:26:62 मिनट का समय लेते हुए नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया।आर्यन सितंबर 2023 में चीन में आयोजित होने वाली एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, इससे पहले जुलाई में जापान के फूकुओका का में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। आर्यन गुजरात के वर्ष 2001 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विजय नेहरा के पुत्र हैं।नेहरा हाल राज्य के विज्ञान एवं तकनीक विभाग में सचिव हैं इससे पहले वे मुख्यमंत्री कार्यालय में बतौर सचिव तथा अहमदाबाद महानगर पालिका में आयुक्त के रूप में उल्लेखनीय कार्य कर चुके हैं।

भारत की जीत पर झूमा बैंगलोर, 25 हजार फैंस ने गाया वंदे मातरम; गूंज उठा स्टेडियम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम ने मंगलवार को बैंगलोर में कुवैत को हराकर 2023 का फाइनल जीता। निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 से बराबर रहने के बाद दोनों टीमों को एक्स्ट्रा टाइम दिया गया। इसमें भी जब मुकाबले का परिणाम नहीं निकलता तो पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। पेनल्टी शूटआउट में भारत ने 5-4 से कुवैत को हराया। भारत की जीत के बाद बैंगलोर स्टेडियम में उपस्थित 25 हजार दर्शकों ने वंदे मातरम का गान किया। दर्शकों ने वंदे मातरम गाकर स्टेडियम को राष?ट्रभक्ति के भावना से ओतप्रोत कर दिया। सुनील छेत्री भी दर्शकों के सुर से सुर मिलाते दिखाई दिए। वंदे मातरम का गायन करते हुए भारतीय प्रशंसकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बात करें मैच की तो कुवैत ने 14वें मिनट में शबीब अल खालिदी के गोल से 1-0 की बढ़त हासिल की थी। भारत ने 38वें मिनट में वापसी करते हुए चेंगटे के गोल से मैच बराबर कर लिया था। फुल टाइम तक मैच बराबर रहा, जिससे अतिरिक्त समय दिया गया। इसमें भी मैच

का नतीजा नहीं निकला। फिर मैच पेनल्टी शूटआउट में गया। बता दें कि भारतीय टीम का यह 9वां चैंपियनशिप खिताब है। भारतीय टीम के कप्तान सुनील छेत्री को गोल्डन बूट और गोल्डन बॉल का खिताब दिया गया। चैंपिनशिप में भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराया था। इसके बाद भारत ने नेपाल 2-0 से हराया था। कुवैत के खिलाफ मुकाबले में भी भारत ने 1-0 से जीत हासिल की थी। ईरान के खिलाफ भारत का मैच 1-1 से बराबरी पर रहा। इसके बाद भारत ने लेबनान को 4-2 हराया।

कौन है नीदरलैंड्स को विश्व कप 2023 का टिकट दिलाने वाले ऑलराउंडर डी लीडे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बास डी लीडे ने 2023 विश्व कप क्वालीफायर के करो या मरो मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ नीदरलैंड की चार विकेट से जीत में धुंआधार पारी खेली। ऑलराउंडर ने पहली पारी में पांच विकेट हासिल

किए और इसके बाद दूसरी पारी में शतक जड़कर स्कॉट्स को वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया। नीदरलैंड 2011 के बाद पहली बार वनडे वर्ल्ड में नजर आएगी इससे पहले टीम पिछले चार विश्व कप में बाहर रही हैं। ऐसे में गुरुवार को वर्ल्ड कप के क्वालीफायर मैच में बास डी लीडे का प्रदर्शन नीदरलैंड को विश्व कप में बेहतरीन पारी खेलने में मदद कर सकता है। क्रिकेट बास के खून में है क्योंकि उनके पिता टिम डी लीडे भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं। दरअसल टिम ने 1996, 2003 और 2007 में 50 ओवर के विश्व कप में डच टीम का प्रतिनिधित्व किया था 2003 विश्व कप में टिम डी लीडे को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था। उन्होंने सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, हरभजन सिंह और जहीर खान के विकेट लेकर 4 विकेट पर 35 रन के साथ साथ वापसी की। भारत ने 65 रन से यह मैच अपने नाम किया था। बास डी लीडे के कजिन बैबेट भी एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। वह नीदरलैंड महिला क्रिकेट टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। बैबेट बास से छह साल छोटी है।

धोना के बर्थ-डे पर जडेजा का पोस्ट हुआ वायरल, जड्डू ने माही को 'गो टू मैन' कहकर फैंस का दिल छुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान शुक्रवार को अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज ने हाल ही में चेन्नई सुपरकिंग्स को पांचवीं बार आईपीएल खिताब दिलाया था। सीएसके ने गत चैंपियन गुजरात टाइटंस को अहमदाबाद में फाइनल में मात दी थी। इस मुकाबले में रवींद्र जडेजा ने गेंद और बल्ले से अहम भूमिका निभाई थी। सीएसके ने मुंबई इंडियंस के पांच बार आईपीएल खिताब जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी की। जडेजा ने धोनी के बर्थ-डे पर एक ट्वीट किया, जो कुछ ही समय में वायरल हो गया है। जडेजा ने अपने पोस्ट में

आईपीएल 2023 फाइनल की एक फोटो शेयर की और धोनी को अपना 'गो टू मैन' करार दिया। जडेजा ने ट्वीट किया, ''2009 से अब तक और हमेशा मेरे गो टू मैन। माही भाई आपको जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। आपको पीली जर्सी में जल्द ही देखूंगा।'' जडेजा का पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। फैंस भारतीय ऑलराउंडर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। याद दिला दें कि जडेजा ने आईपीएल 2023 के फाइनल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और मैच विनिंग पारी भी खेली थी। ऐसी भी खबरें आ रही थीं कि जडेजा और धोनी के बीच सबकुछ ठीक नहीं हैं। मगर ऑलराउंडर के ताजा पोस्ट से इन अफवाहों पर भी पूर्ण विराम लग गया है। याद हो कि फाइनल के बाद जडेजा ने अपनी पारी कप्तान धोनी को समर्पित की थी। जडेजा जब मैच जिताकर आए थे तो कप्तान धोनी ने उन्हें गले लगाया और फिर गोद में उठा लिया था। बहरहाल, जडेजा इस समय वेस्टइंडीज में आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में जुटे हुए हैं। वहीं एमएस धोनी खेल से दूर अपने समय का आनंद उठा रहे हैं।

चार्डी की चुनौती पार कर दूसरे दौर में पहुंचे कार्लोस अलकराज,फेडरर को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)

लंदन। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेन के कार्लोस अलकराज ने फ्रांस के जेरेमी चार्डी को सीधे सेटों में 6-0, 6-2, 7-5 से हराकर वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। चार्डी के करियर का यह अंतिम सिंगल्स मैच था। 2022 यूएस ओपन के चैंपियन अलकराज अपने करियर का दूसरा बड़ा खिताब जीतने के प्रयास में यहां उतरे हैं और उन्होंने शानदार अंदाज में इसकी शुरुआत की हैं। पहले सेट के दौरान वह कोर्ट पर गिर गए, लेकिन इसका असर उनके प्रदर्शन पर नहीं पड़ा। पहले दौर में अलकराज ने दिखाया कि उन पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं था। वहीं, लगातार दूसरे दिन वर्षा के कारण कुछ मैचों को बीच में रोकना पड़ा। 20 वर्षीय अलकराज ने शुरुआत से मैच पर अपनी बढ़त बनाए रखी। चार्डी उनके सामने कुछ हद तक दबाव में नजर आए और उन्होंने पहले ही सेट में सात डबल फॉल्ट किए। पहले सेट में अलकराज ने पूरी तरह नियंत्रण

रखा और सभी छह गेम जीतकर इस सेट को अपने नाम किया। इस सत्र में 41-4 का रिकॉर्ड रखने वाले अलकराज ने दूसरे सेट में भी चार्डी को अपने ऊपर हावी होने नहीं दिया और इस सेट को भी आसानी से अपने नाम किया। पहले दो सेट आसानी से अपने नाम करने के बाद तीसरे सेट में अलकराज के सामने चार्डी ने चुनौती पेश की। 36 वर्षीय चार्डी ने अलकराज की बढ़त रोकते हुए स्कोर 4-2 कर दिया, लेकिन वह ज्यादा देर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को परेशान नहीं कर सके और अलकराज ने आखिरकार जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग के अन्य मैच में ब्रिटेन के एंडी मरे ने हमवतन रियान पेनिस्टन को 6-3, 6-0, 6-1 से हराया। महिलाओं के वर्ग में गत विजेता एलिना रिबाकिना ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका की शेल्बी रोजर्स को 4-6, 6-1, 6-2 से हराया। बीमार होने के कारण फ्रेंच ओपन से बाहर रहीं कजाखस्तान की रिबाकिना पहले गेम में लय में नजर नहीं आईं और रोजर्स उन पर भारी पड़ी। ालांकि तीसरी वरीयता प्राप्त रिबाकिना ने जोरदार वापसी की और विश्व में 49वीं रैंकिंग की रोजर्स को कोई मौका नहीं देते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई। अन्य मैच में ट्यूनिशिया की ओंस ज्बूयर ने पोलैंड की मागलाडेना फ्रेक को 6-3, 6-3 से हराया। स्विट्जरलैंड के पूर्व दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का मंगलवार को विंबलडन के दौरान सम्मानित किया गया। रॉयल बॉक्स में सेंटर कोर्ट पहुंचने पर दर्शकों ने करीब डेढ़ मिनट तक खड़े होकर फेडरर के सम्मान में तालिया बजाईं। इस दौरान वहां राजकुमारी केट भी मौजूद थीं। फेडरर के नाम विंबलडन में आठ पुरुष सिंगल्स ट्रॉफी जीतने का रिकॉर्ड है। 20 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता फेडरर ने पिछले वर्ष टेनिस से संन्यास लिया था। सम्मान समारोह के दौरान उनके करियर की हाईलाइट भी दिखाई गई।

साउथ में फैंस ने एम एस धौनी के बर्थडे पर बनाया 77 फीट लंबा कट-आउट, दूध चढ़ाकर भगवान जैसा दिया सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारत के महान पूर्व कप्तान एमएस धोनी आज अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। ऐसे में फैंस धोनी को अलग-अलग अंदाज में बधाई दे रहे है। सोशल मीडिया पर दुनियाभर से फैंस

लोग धोनी की जिंदगी के खास पलों के फोटो और वीडियो शेयर कर रहे हैं। धोनी की दीवानगी आईपीएल 2023 के दौरान चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में लैप ऑफ ऑनरन के दौरान देखने को मिली थी। धोनी के 42वें जन्मदिन के अवसर की पूर्व संध्या पर हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के नंदीगामा में धोनी के विशाल कट-आउट देखने को मिले। हैदराबाद में धोनी का कटआउट 52 फीट लंबा बनाया गया हैं जबकि नंदीगामा का कटआउट 77 फीट लंबा है। हैदराबाद के कट-आउट में धोनी भारतीय जर्सी में नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर माही आंध्रप्रदेश के कट-आउट में सीएसके के ट्रेनिंग किट जर्सी में दिखाई दे रहे हैं।हालांकि ऐसे में एक अजीबो-गरीब चीज भी देखने को मिली। धोनी के नंदीगामा में कटआउट पर दूध डालने का एक वीडियो भी था। माही भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में भारत को तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताई। उन्होंने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने से पहले भारत को टेस्ट में नंबर एक टीम बनाया और टेस्ट की गदा दिलाई। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को पांच बार आईपीएल की ट्रॉफी जीताई है धोनी को क्रिकेट के इतिहास में सबसे महान फिनिशरों में से एक माना जाता है। 2014 में अचानक टेस्ट से संन्यास ले लिया, 2017 में उन्होंने टी20 और अंत में 2020 में वनडे के साथ सभी तरह के अंतर राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब वे सिर्फ आईपीएल में नजर आते हैं। हालांकि फैंस को धोनी की एक बार फिर आईपीएल में देखने की उम्मीद है, जो माही की फिटनेस पर निर्भर करता है।

स्टंप माइक पर रिकॉर्ड हुए एमएस धोनी के पांच मजेदार कमेंट, कोहली से लेकर जड्डू तक को कही थी ये बात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। एमएस धोनी आज 42 साल के हो गए। पूर्व भारतीय कप्तान ने ऐसे कई मौके दिए जब पूरा देश गर्व से झूमने लगा था। अपनी कप्तानी में देश को तीन आईसीसी ट्रॉफी जिताने वाले वह एकमात्र भारतीय कप्तान हैं। अगर आप धोनी के कुछ सुनहरे पलों को स्क्रॉल करके देखेंगे तो उसमें स्टंप माइक में रिकॉर्ड हुई उनकी मजेदार बात याद हो आएगी। एमएस धोनी विकेट के पीछे अपनी फुर्ती के लिए तो जाने ही जाते हैं। अपने मजेदार कमेंट्स के लिए भी मशहूर हैं। विरोधी टीम के बल्लेबाजों का मूवमेंट देखकर अपने गेंदबाजों को नियमित सलाह देने के अलावा धोनी ने कई बार मजेदार बातें भी बोली हैं, जो स्टंप माइक में रिकॉर्ड हो गईं। आइए जानतें हैं ऐसे ही पांच मजेदार कमेंट के बारे में। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच सितंबर 2017 में पहले वनडे के दौरान यह घटना हुई थी। स्टंप माइक ने धोनी द्वारा गेंदबाजों कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को दी गई सलाह को कैद कर लिया था, जिससे चहल को डेविड वार्नर को आउट करने में मदद मिली थी। धोनी ने चहल से कहा, थोड़ा पीछे से कर ले। 17 अगस्त 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कई बार कुलदीप और केदार जाधव को सलाह दी थी। 2014 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट मैच के दौरान रवींद्र जडेजा का सामना ब्रेंडन मैकुलम और बीजे वाटलिंग से हो रहा था। जडेजा लगातार रन खर्च कर रहे थे। ऑफ स्टंप पर गेंदबाजी नहीं करने के कारण धोनी उनसे थोड़ा नाराज हो गए। धोनी ने तब जडेजा से कहा, ठपुजारा को उसके लिए रखा है। वो उधर ताली बजाने नहीं रखा है। विराट कोहली ने बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन जरूरत पड़ने पर उन्होंने गेंदबाजी की है। ऐसे ही 2016 टी20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में कोहली वाइड यॉर्कर से केविन पीटरसन को आउट करने में कामयाब रहे। इसके बाद ऐसा लगा कि कोहली थोड़े अति-आत्मविश्वास में आ गए थे और रन खर्च कर रहे थे। तब धोनी ने कहा- ठजितना बोला है उतना कर, गेंदबाज मत बन। धोनी का एक मजेदार

कमेंट उस वक्त वायरल हुआ था, जब धोनी ने श्रीसंत को विकेट के पीछे से फील्ड सेट करने के दौरान समझाया था। एमएस ने कहा, ओए श्री गर्लफ्रेंड अगर चौका गया तो मेरा रिस्क है, तू बिंदास डाल। तुझे अगर एक फील्डर चाहिए तो मैं बुला लूंगा। मुझे कोई समस्या नहीं है। नहीं है उधर, इधर आजा थोड़ा।भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच 2012 में टेस्ट मैच खेला गया। दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन, ईशांत शर्मा अपनी गेंद के साथ संघर्ष करते दिखे। धोनी ने इसे भांप लिया और शर्मा से कहा,

राशिफल

मेष-: लाभ और प्रभाव में वृद्धि होगी। कारोबार में अच्छी सफलता के संकेत हैं। प्रबंधन से जुड़े कार्य बनेंगे। भेंट होगी। योजनाएं गति लेंगी। नवाचार बढ़ेगा।

वृषभ-: करियर कारोबार सामान्य रहेगा। इच्छित मामले गति लेंगे। आय-व्यय बढ़ा हुआ रहेगा। रुटीन रखेंगे। विवादों से बचें। निज कार्यों पर ध्यान रहेगा। पेशेवरता रखें।

मिथुन-: करियर कारोबार के अवसर बढ़ेंगे। प्रयासों को गति मिलेगी। पेशेवरता से काम लेंगे। नए लोगों से लाभ होगा। शुभता का संचार रहेगा। महत्वपूर्ण निर्णय बनेंगे।

कर्क-: प्रतिस्पर्धा एवं प्रबंधन को बल मिलेगा। नीति-नियमों का सम्मान करेंगे। अवसरों का लाभ उठाएंगे। जिम्मेदारी से कार्य करेंगे। प्रदर्शन संवरेगा। लाभ अच्छा रहेगा।

सिंह-: करियर कारोबार में इच्छित परिणाम बन सकते हैं। अधिकाधिक समय दें। लाभ बढ़त पर रहेगा। पेशेवरता रखेंगे। अवसरों को भुनाएंगे। योजनाएं गति लेंगी।

कन्या-: रुटीन बेहतर बनाए रखें। योजनानुसार आगे बढ़ें। लक्ष्य पर फोकस रखें। आर्थिक मामलों में आकस्मिकता रहेगी। धैर्य से काम लेंगे। पेशेवर बने रहें।

तुला-: सभी के सहयोग से लक्ष्य पाएंगे। सुख सौख्य में वृद्धि होगी। कारोबारी सफल होंगे। इच्छित कार्यों को गति देंगे। स्थिर संपत्ति का लाभ उठाएंगे। आय संवरेगी।

वृश्चिक-: सहजता से सफलता पाएंगे। जॉबवर्क में बेहतर रहेंगे। पेशेवरों को नए प्रस्ताव मिलेंगे। योजनाएं गति पाएंगी। मामले लंबित न रखें। अवसरों को भुनाएं। लाभ सामान्य है।

धनु-: पेशेवर नजरिया रखेंगे। समस्याओं को दूर करेंगे। स्मार्ट वर्किंग पर जोर देंगे। कार्यक्षेत्र में जगह बनाएंगे। सफलता का प्रतिशत बेहतर रहेगा। उपलब्धियां बढ़ेंगी।

मकर-: आवश्यक कार्यों में धैर्य रखें। वाणिज्यिक गतिविधियों को बल मिलेगा। उपलब्धियां अर्जित करेंगे। साझीदारों का सम्मान रखें। कार्य व्यापार में अधिकाधिक समय देंगे। लाभ अच्छा रहेगा।

कुंभ-: धनागम अच्छा बना रहेगा। करियर कारोबार में उपलब्धियां पाएंगे। संपर्क संवाद संवार पर रहेगा। दीर्घकालीन योजनाओं पर फोकस रखें। यात्रा संभव है।

मीन-: आर्थिक मामले पक्ष में रहेंगे। योजनाओं को गति देंगे। प्रयास फलित होंगे। उद्योग व्यापार में प्रभावी रहेंगे। बचत को बल मिलेगा। मूल्यवान वस्तु प्राप्त हो सकती है।

पंचांग 09 जुलाई 2023 रविवार

कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया, आनन्द संवत्सर विक्रम संवत 2078, शक संवत 1943 (प्लव संवत्सर), आश्विन द्वितीया तिथि 12:30 AM तक उपरांत तृतीया नक्षत्रभरणी 06:56 PM तक उपरांत कृत्तिका सिद्धि योग 09:39 PM तक, उसके बाद व्यातीपात योग करण तैतिल 11:20 AM तक, बाद गर 12:30 AM तक, बाद वणिज। अक्टूबर 28 गुरुवार को राहु 10:46 AM से 12:11 PM तक है। 01:39 AM तक चन्द्रमा मेष उपरांत वृषभ राशि पर संचार करेगा।

मजबूत दिल हो तभी देखें '72 हूरें', लोगों ने फिल्म को बताया रोंगटे खड़े करने वाला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। लगातार विवादों में घिरी 72 हूरें 7 जुलाई को रिलीज कर दी गई। फिल्म टीजर रिलीज से ही कॉन्ट्रोवर्सी झेल रही है। यहां तक कि 72 हूरें के मेकर्स को कानूनी पचड़ों में भी फंसना पड़ गया। अब 72 हूरें की रिलीज के साथ फिल्म को लेकर रिव्यू भी आने लगे हैं। दर्शकों ने फिल्म के लीड एक्टर पवन मल्होत्रा और आमिर बशीर के एक्टिंग की तारीफ की है। साथ ही फिल्म की कहानी और कॉन्सेप्ट को झकझोर देने वाला बताया है। 72 हूरें को रिव्यू करते हुए एक यूजर ने ट्विटर पर कहा, ठफर्स्ट हाफ बहुत अच्छा है, ब्लैक एंड व्हाइट थीम बहुत अच्छा काम करती है, ब्रेन वाशिंग दृश्य कमाल का हैं। पवन मल्होत्रा शानदार हैं, सेकेंड हाफ में में थोड़ी धीमी है फिल्म, क्लाइमेक्स और बेहतर हो सकता था, कुल मिलाकर देखने में अच्छी है। इसके साथ ही यूजर ने फिल्म को तीन स्टार दिए। एक अन्य यूजर ने कहा, ठइसे देखकर ऐसा लगता है जैसे मैंने आतंकवाद के कामों को लाइव देखा हो, ये दर्शकों को अंदर तक झकझोर रही है। 72 हूरें मूवी रिव्यू: उग्रवाद और आतंकवाद के गहरे गठजोड़ को एक्सपोज करती है फिल्म। एक और यूजर ने कहा, ठ72 हूरें को बैन करने की जरूरत नहीं है। इसे दुनियाभर में रिलीज करें। 72 हूरें का डायरेक्शन संजय पूरन सिंह चौहान ने किया है, जो नेशनल अवॉर्ड विनर निर्देशक हैं। वहीं, अशोक पंडित ने को-प्रोड्यूसर है। फिल्म में पवन मल्होत्रा के साथ आमिर बशीर के साथ राशिद नाज, सारू मैनी और अशोक पाठक भी अहम किरदारों में हैं। कुछ दिनों पहले ही 72 हूरें के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। सय्यद अरिफाली महम्मोदली नाम के एक शख्स ने मुंबई के गोरेगांव पुलिस स्टेशन में ये शिकायत दर्ज करवाई है। उनका आरोप है कि फिल्म में उनके धर्म का अपमान किया गया है। इसके साथ भेदभाव और नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है और जनता के बीच मुस्लिम समुदाय की छवि खराब की जा रही है।

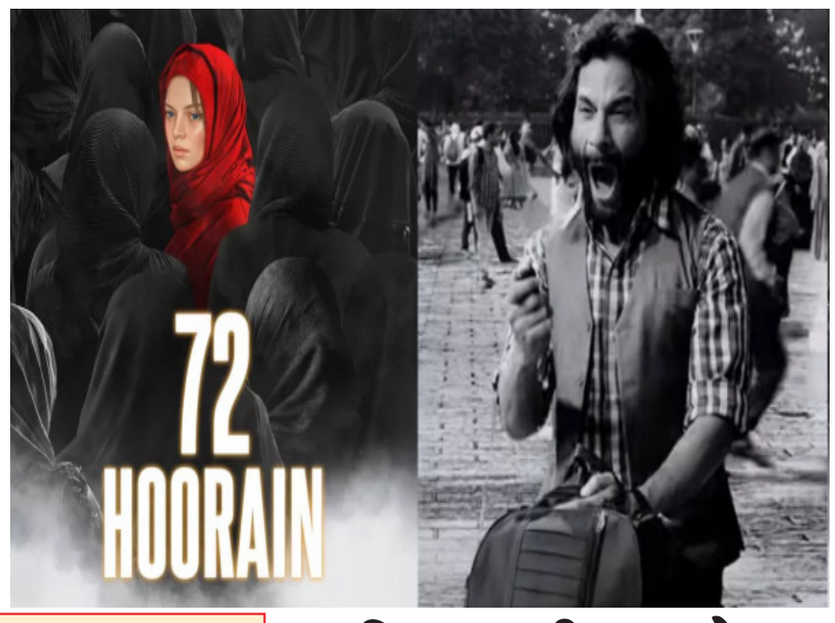

कंगना रनोट तेजस को पहली भारतीय एरियल एक्शन फिल्म बताने पर हुईं ट्रोल, ऋतिक से मुकबाला करने के लगे आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कंगना रनोट आए दिन किसी न किसी विवाद में उलझती रहती हैं। कभी किसी बॉलीवुड माफिया, तो कभी किसी स्टार से पंगा लेने के कारण चर्चा बटोरती रहती हैं। अब उन्हें अपनी अपकमिंग फिल्म तेजस को पहली भारतीय एरियल एक्शन मूवी बताने पर ट्रोलिंग झेलनी पड़ रही हैं। कंगना रनोट ने हाल ही में तेजस का फर्स्ट लुक जारी किया है। साथ ही रिलीज डेट का भी एलान किया। अब उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में फिल्म से जुड़ी एक तस्वीर शेयर की और साथ ही लिखा डायरेक्टर सरवेश मेवारा का नाम लिखते हुए कहा कि तेजस पहली भारतीय एरियल एक्शन फिल्म हैं। कंगना रनोट का ये पोस्ट रेडिट पर चंद मिनटों में वायरल हो गया। एक्ट्रेस की बात सुनते हुए कुछ यूजर ने कहा कि कंगना एक बार फिर ऋतिक रोशन को टारगेट कर रही हैं, क्योंकि उनकी आगामी फिल्म फाइटर को भी यही बोल कर प्रमोट किया जा रहा है कि ये एक एक्शन एरियल फिल्म है। कंगना रनोट के पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए एक यूजर ने कहा, ठदीदी फिर से ऋतिक के साथ मुकाबला कर रही हैं।ठ एक अन्य ने कहा, ठइनकी पूरी जिंदगी ऋतिक और रणबीर के पीछे पड़ने में ही बीत जाएगी।ठ तेजस पर बात करते हुए एक यूजर ने कहा, ठकंगना को बस ऋतिक को उकसाना है। फाइटर के लिए यही टैग इस्तेमाल कर रहे थे। अब देखते है कि तेजस में कितना एरियल एक्शन है या बस हवाबाजी कर रही है। तेजस के लिए कंगना रनोट का दावा सुनकर कुछ लोगों को उनकी आखिरी रिलीज फिल्म धाकड़ याद आ गई। एक्ट्रेस ने धाकड़ को भारत की पहली महिला जासूसी एक्शन फिल्म कहा था। धाकड़ को लेकर कमेंट करते हुए एक यूजर ने कहा, ठउन्होंने धाकड़ के बारे में भी कुछ ऐसा ही कहा था कि ये पहली भारतीय महिला जासूसी एक्शन फिल्म है और इसने सिर्फ आठ टिकट बेचे थे। क्या इतिहास खुद को दोहराएगा?ठ बता दें कि धाकड़ ने रिलीज के आठवें दिन सिर्फ 8 टिकट बेचे थे।

जब धर्मेंद्र की मां सतवंत कौर से मिली थीं हेमा मीलिनी, प्रेग्नेंसी के दौरान हुई थी मुलाकात

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। धर्मेंद्र इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। कुछ दिनों पहले एक्टर पोते करण देओल और द्रिशा आचार्य की शादी को लेकर सुर्खियों में छाए हुए थे, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान उनकी दूसरी पत्नी हेमा मालिनी और उनकी बेटियों की गैरमौजूदगी ने खींचा। हालांकि, ये ज्यादा हैरान होने वाली बात नहीं, क्योंकि हेमा मालिनी हमेशा से धर्मेंद्र की पहली पत्नी उनके परिवार से दूर ही नजर आती रही हैं। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने 2 मई 1980 में शादी की थी। उस दौरान एक्टर पहले से शादीशुदा और चार बच्चों के पिता थे। ऐसे में दोनों के लिए शादी करना काफी मुश्किल था और धर्मेंद्र के परिवार में उनके लिए घुल-मिल पाना मुश्किल ही रहा, लेकिन सास से उन्हें सपोर्ट मिला। हेमा मालिनी ने अपनी बायोग्राफी 'हेमा मालिनीः बियोंड द ड्रीम गर्ल' में सास सतवंत कौर को लेकर कुछ दिलचस्प बातें बताई। उन्होंने सास के साथ उस मुलाकात को बेहद खास बताया जब वो पहली बार प्रेग्नेंट थीं और सतवंत कौर उनसे मिलने आई थीं। हेमा जब धर्मेंद्र की मां से पहली बार मिली थीं तब उनका रिएक्शन कैसा था एक्ट्रेस ने अपनी बायोग्राफी में इस बात को शेयर किया है। एक्ट्रेस ने कहा, जब मैं प्रेग्नेंट थी और ईशा का जन्म होने वाला था। उस वक्त वो (सतवंत कौर) जुहू के डबिंग स्टूडियो में मुझसे मिलने आई थीं। वह घर पर किसी को कुछ बता कर नहीं आई थीं। मुलाकात के दौरान हेमा ने उनके पैर छुए और उन्होंने एक्ट्रेस को गले लगाकर कहा, ठबेटा खुश रहो हमेशा।ठ हेमा ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की खुशी थी कि उनकी सास उनके साथ थीं। एक्ट्रेस ने धर्मेंद्र और उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के बच्चों से अपने रिश्ते के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि सनी देओल ने हमेशा उनका साथ दिया है। दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग रही है। हेमा मालिनी के सड़क हादसे के बाद से धर्मेंद्र और बेटे सनी दोनों ने उनका बहुत साथ दिया है। हेमा मालिनी ने कहा कि जब वह घर पहुंचीं तो वहां उनसे मिलने वाले पहले व्यक्ति सनी ही थे, और उन्होंने आगे सुनिश्चित किया कि सारा इलाज सही तरीके से हो। अपनी किताब में उन्हें इस किस्से को बताते हुए कहा, ठसनी देओल की इतनी दिलचस्पी देखकर मैं वास्तव में हैरान रह गई थी। इससे पता चलता है कि हमारे बीच किस तरह का रिश्ता है।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर बलोच ने शाह रुख को लेकर दिया बड़ा बयान, बोलीं एक्टिंग नहीं आती, बस ये काम करते हैं

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बादशाह शाह रुख खान को प्यार करने वालों की कोई कमी नहीं है। उनके फैंस दुनिया के कोने-कोने में हैं। शाह रुख खान को इंडस्ट्री में 30 साल से ज्यादा का समय हो चुका है। वह अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने गुड लुक्स और रोमांटिक अंदाज से भी दर्शकों का दिल जीतते हैं। उनके बंगले मन्नत पर उनकी एक झलक पाने के लिए फैंस दूर-दूर से आते हैं। सोशल मीडिया पर एक्टर के प्रशंसकों के उनके फैन पेज बनाए हुए हैं। लेकिन हाल ही में पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर बलोच ने शाह रुख खान को लेकर ऐसा विवादित बयान दिया, जो उनके प्रशंसकों को बिल्कुल भी रास नहीं आया। हिंदुस्तान टाइम्स में छपी रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर शो 'हद करदी' में शाह रुख खान की एक्टिंग स्किल्स और उनके लुक्स पर ऐसा कमेंट किया, जिसकी वजह से किंग खान के फैंस का गुस्सा फूट पड़ा। महनूर बलोच ने एक इंटरव्यू में कहा, ठशाह रुख खान को एक्टिंग नहीं आती, ये मेरी राय उनको लेकर है। वह एक बहुत अच्छे बिजनेसमैन हैं और उन्हें पता है खुद को मार्केट कैसे करना है। शायद हो सकता है कि उनके फैंस मेरी इस बात से सहमत न हों और ठीक भी है। उनका व्यक्तित्व अच्छा है, उन्हें पता है कि खुद की मार्केटिंग कैसे करनी है। यहां पर काफी अच्छे एक्टर्स हैं, जोकि सफल नहीं हैंठ।पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर बलोच यहीं पर शांत नहीं हुईं। उन्होंने किंग खान के लुक्स पर भी अपनी राय दी। एक्ट्रेस ने कहा, शाह रुख खान की पर्सनैलिटी अच्छी है, लेकिन अगर आप उन्हें सुंदरता के पैरामीटर के हिसाब से देखेंगे कि कौन हैंडसम है, तो वह इसमें फिट नहीं होते।पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर बलोच यहीं पर शांत नहीं हुईं। उन्होंने किंग खान के लुक्स पर भी अपनी राय दी। एक्ट्रेस ने कहा, शाह रुख खान की पर्सनैलिटी अच्छी है, लेकिन अगर आप उन्हें सुंदरता के पैरामीटर के हिसाब से देखेंगे कि कौन हैंडसम है, तो वह इसमें फिट नहीं होते।पाकिस्तानी एक्ट्रेस महनूर बलोच यहीं पर शांत नहीं हुईं। उन्होंने किंग खान के लुक्स पर भी अपनी राय दी। एक्ट्रेस ने कहा, शाह रुख उनका एक और है, लेकिन बहुत खूबसूरत लोग हैं, जिनका कोई और नहीं है, इसलिए लोग उन्हें नोटिस तक नहीं करते हैं। महनूर बलोच का शाह रुख खान पर दिया गया ये विवादित बयान किंग खान के फैंस को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया, जिसकी वजह से पाकिस्तानी एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल होना पड़ा।

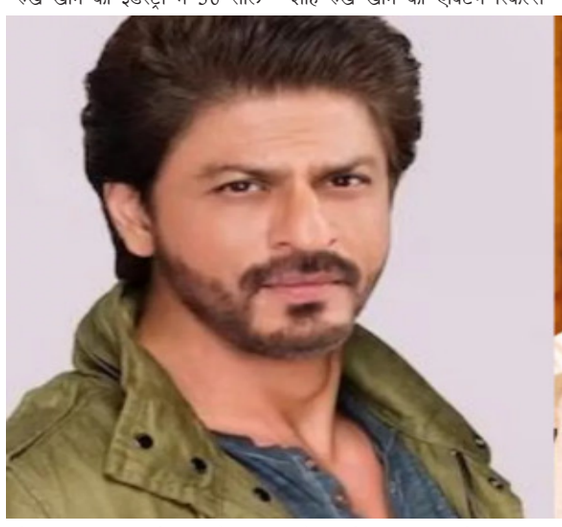

वरुण-जाह्नवी का 'बवाल' से रोमांटिक ट्रैक का ऑडियो रिलीज, मनोज मुंतशिर ने लिखे गाने के बोल

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सारा अली खान के बाद अब वरुण धवन जल्द ही 'धड़क' एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साथ 'बवाल' मचाते हुए नजर आएंगे। उनकी और जाह्नवी कपूर की आगामी फिल्म 'बवाल' को लेकर एक लंबे समय से चर्चा है। फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज की जानकारी के बाद मेकर्स ने 5 जुलाई को 'बवाल' का टीजर रिलीज किया था, जिसमें रोमांस के साथ-साथ भरपूर सस्पेंस भी दर्शकों को देखने को मिला। अब टीजर के बाद मेकर्स ने फिल्म का पहला रोमांटिक ट्रैक आउट कर दिया हैं, जिसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की बवाल का पहले गाने 'तुम्हें कितना प्यार करते' मेकर्स ने आउट कर दिया है। हालांकि, उन्होंने अभी सिर्फ इसका ऑडियो रिलीज किया है। 'बवाल' के इस रोमांटिक ट्रैक में अरिजीत सिंह और मिथुन ने अपनी आवाज दी है। गाने का म्यूजिक मिथुन ने कम्पोज किया है। इस गाने के बोल 'आदिपुरुष' के डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं। आपको बता दें कि मनोज मुंतशिर ने 'आदिपुरुष' फिल्म के डायलॉग्स लिखे थे, जिसकी वजह से उन्हें न सिर्फ आलोचना झेलनी पड़ी थी, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी मिल रही थी। बवाल के इस ऑडियो ट्रैक को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, ठदिल को छू लेने वाला रोमांटिक मेलोडी 'तुम्हे कितना प्यार करते' रिलीज हो चुका है, जिसे सुपर ट्रायो मिथुन-अरिजीत सिंह और मनोज मुंतशिर ने बनाया हैठ। 'बवाल' के निर्देशन की कमान नितेश तिवारी ने संभाली है, जो इससे पहले आमिर खान के साथ 'दंगल' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके हैं। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर स्टारर ये फिल्म पहले 7 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने फिर अपना इरादा बदल दिया। अब ये फिल्म थिएटर की जगह ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 21 जुलाई को दस्तक देगी। ये पहली ऐसी भारतीय फिल्म है, जिसका प्रीमियर पेरिस के एफिल टॉवर पर होगा।

उर्फी जावेद ने खूबसूरत दिखने के चक्कर में कराए लिप फिलर्स, लेकिन होठों का ऐसा हाल देख घबराए फैंस

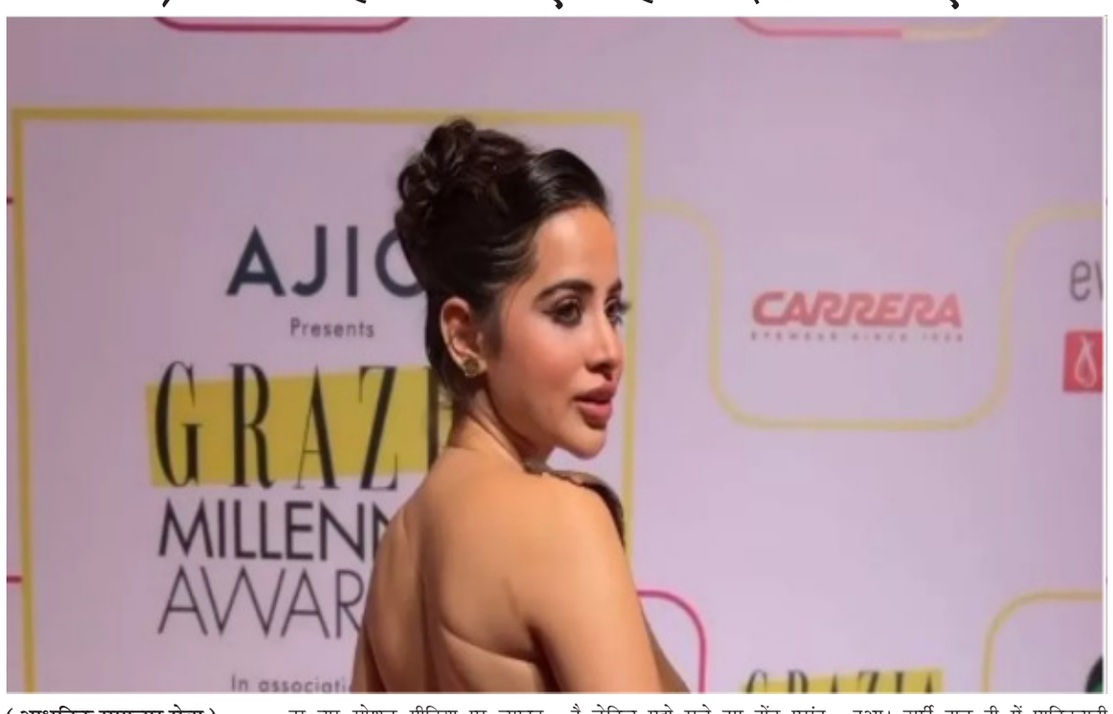

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। उर्फी जावेद ने अतरंगी फैशन के चलते इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर अपनी एक खास जगह बनाई है। उर्फी हमेशा ही अपने ड्रेसिंग सेंस से लोगों को खूब हैरान करती हैं। वह कब क्या पहनकर कैमरे के सामने आ जाए ये किसी को पता नहीं हैं। वहीं, उर्फी न जानें कितनी बार टॉपलेस होकर भी कैमरे के सामने आ चुकी हैं। इसकी वजह से उर्फी को हर बार सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जाता है। इसी बीच अब उर्फी की एक तस्वीर उनके फैंस को हैरान कर रही है। इस तस्वीर में उर्फी के सूजे हुए लिप्स देखकर फैंस हैरान नजर आ रहे हैं। उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में उर्फी के होठ काफी सूजे दिख रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उर्फी ने कैप्शन में लिखा, 'अजीब है लेकिन मुझे सूजे हुए होंठ पसंद है। कुछ भी सीरियस नहीं है बस फिलर्स करवाए हैं।' फोटो में उर्फी का फेस नहीं, बल्कि सिर्फ उनके लिप्स नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक कलर की टी-शर्ट कैरी की है। उर्फी जावेद अमूमन बोल्ड और अटपटे कपड़ों में ही नजर आती हैं, लेकिन जब वह पूरे कपड़ों में होती है तो उन्हें देखकर हर कोई हैरान रह जाता है। वहीं, हाल ही में कुछ ऐसा ही हुआ। उर्फी हाल ही में पाकिस्तानी सूट पहने नजर आईं थीं। उनको इस लुक में देखकर फैंस चौंक गए थे। हर कोई उनके लुक की तारीफ करता नजर आया था। उन्होंने पर्पल कलर का सूट पहना था। इसके साथ उन्होंने सॉफ्ट कर्ल्स, ग्लोसी मेकअप और बड़े झुमके से कंप्लीट किया था। उनका इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था।

लेखन और अभिनय के सही मसालों से बनी जायकेदार फिल्म, हुमा कुरैशी का बेहतरीन अभिनय

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। हर कामयाब आदमी के पीछे एक औरत होती है और हर कामयाब औरत के पीछे एक कहानी। इसी कहानी को सरलता से दर्शाया गया है फिल्म तरला में, जो पद्मश्री से सम्मानित पाक कला में अव्वल शेफ और कुक बुक लेखिका तरला दलाल की जिंदगी पर आधारित है। कहानी शुरू होती है पुणे से। तरला (हुमा कुरैशी) अपनी प्रोफेसर की चाल देखकर कहती हैं कि उनके चलने के अंदाज से पता चलता है, वह जीवन में कहीं आगे जाएंगी। तरला को भी कुछ करना है, लेकिन क्या, उसे पता नहीं है। इसी बीच उनकी शादी मुंबई के मिल में बतौर इंजीनियर काम करने वाले नलिन दलाल (शारिब हाशमी) से तय हो जाती है। नलिन उसे इस बात का भरोसा दिलाते हैं कि शादी के बाद वह अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। 12 साल बीत जाते हैं। तरला तीन बच्चों की मां बन जाती है। उसे अहसास होता है कि उसने तो जीवन में कुछ किया ही नहीं। एक दिन शाकाहारी तरला, नलिन को नॉनवेज खाते देख लेती है। वह नलिन के लिए ऐसा शाकाहारी खाना बनाती हैं, जिसकी खुशबू मांसाहारी व्यंजनों जैसी होती है। जैसे मुर्ग मुसल्लम बन जाता है बटाटा मुसल्लम, चिकन 65 बन जाता है गोभी 65। पड़ोस में रहने वाली आंटी (भारती आचरेकर) तरला से कहती है कि वह उसकी बेटी काव्या को खाना बनाना सिखा दे, क्योंकि उसकी शादी तय होने वाली है। तरला की पनीर कोफ्ता की रेसिपी से काव्या अपनी सास का दिल जीत लेती है। उसकी सास उसे शादी के बाद नौकरी करने की इजाजत दे देती है। शादी में कई मांएं तरला से उनकी बेटियों के लिए खाना बनाने का ट्यूशन देने के लिए कहती हैं। कुकिंग क्लास से शुरू हुआ तरला का सफर टीवी पर कुकिंग शो तक पहुंच जाता है। क्या यह सफर आसान था यकीनन नहीं। निर्देशक पीयूष गुप्ता ने गौतम वेद के साथ मिलकर फिल्म का सहलेखन भी किया है। कहानी की खास बात यह है कि इसमें बिना वजह का कोई ड्रामा नहीं दिखाया गया है। आंखों में कुछ करने का सपना सजाए एक साधारण सी लड़की कैसे छोटे-छोटे कदम बढ़ाकर अपना असाधारण करियर एक ऐसे क्षेत्र में बनाती है, जिसे कला ही नहीं माना जाता है, वह प्रेरणात्मक है। तरला की कहानी में लेखकों ने उनके सबसे बड़े सपोर्ट सिस्टम नलिन को खोने नहीं दिया। एक सपोर्टिव पति से लेकर, पत्नी के ज्यादा कमाने और घर का ध्यान न दे पाने पर मेल ईगो की झलक दिखाने वाले सारे पहलुओं पर ध्यान दिया है। फिल्म धीमी गति से चलती है, लेकिन पीयूष के कसे हुए निर्देशन की वजह से बोरियत नहीं होती है। तरला ने खाना बनाने के काम को कला का नाम दिया था। उन्होंने साबित किया था कि इस काम से न केवल पैसे कमाए जा सकते हैं, बल्कि लोगों का दिल भी जीता जा सकता है। ऐसे में एक गृहिणी से सेलिब्रिटी शेफ बनने के तरला के सफर को थोड़ा विस्तार से दिखाने की जरूरत थी, जिसे तेजी से समेट दिया गया। खुद की मां का यह कहना कि हीरोइनगीरी बाहर छोड़कर आया कर... बाल कटवाकर बंदरिया हो गई... या पड़ोसन का कहना कि इतना कर लिया, अब क्या कैलाश पर्वत चढ़ेगी, थोड़ा घर पर ध्यान दे, बच्चे बड़े हो रहे हैं... न केवल एक बहू-पत्नी और मां को अपराधबोध करवाता है, बल्कि अनकहे तरीके से पुरुषों के घर के कामों में हाथ न बंटाने की सोच के कारण महिला पर बढ़ते दबाव की ओर इशारा करता है। पिछली सदी के सातवें और आठवें दशक के छोटे-छोटे पल, जिसमें सिग्नल पाने के लिए नलिन का एंटीना ठीक करना, अंगुलियों से डायल घुमाकर फोन लगाना, टाइपराइटर इन सभी को सिनेमैटोग्राफर सालू के थामस ने कैमरे में कैद किया है। हुमा न केवल तरला जैसी लगी हैं, बल्कि उनकी जिंदगी को जीया है। कई सिनेमाई लिबर्टी के बीच कुछ कॉमिक दृश्यों में वह ड्रामैटिक हो जाती हैं, लेकिन उसे अनदेखा किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।